mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-131 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
13 मई 2026 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पीएम की बचत की अपील,महाराष्ट्र के मंत्री फ्रांस नहीं जाएंगे

कांस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेना था; सरकार बोली- पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं

नई दिल्ली/मुंबई,एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेशी यात्राओं से बचें। इसे देखते हुए महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष सेलार ने सोमवार को ऐलान किया कि वे इस साल फ्रांस में होने वाले कांस फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं होंगे।

सुवेंदु अधिकारी के पीए मर्डर केस की जांच सीबीआई करेगी

7 अफसरों की एसआईटी गठित; बिहार-यूपी से गिरफ्तार 3 आरोपी 13 दिन की पुलिस कस्टडी में

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले की जांच अब सीबीआई करेगी।

सीबीआई ने केस अपने हाथ में लेते ही 7 मेंबर्स की स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम बनाई है। टीम की अगुवाई DIG रैंक के अधिकारी करेंगे।

इस केस में अब तक बिहार और यूपी से 3 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को तीनों को नॉर्थ 24 परगना के बारासात कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

बंगाल चुनाव नतीजों के दो दिन बाद, 6 मई को नॉर्थ 24 परगना के मध्यमग्राम में 42 साल के चंद्रनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर ने उनकी कार रोककर कई राउंड फायरिंग की, जिसमें उन्हें सीने और पेट में तीन गोलियां लगीं।

रिपोर्ट-पाकिस्तान ने ईरान के सैन्य विमान छिपाने में मदद की

अमेरिकी हमलों से बचाने नूर खान एयरबेस पर रखा, पाक ने आरोपों को नकारा

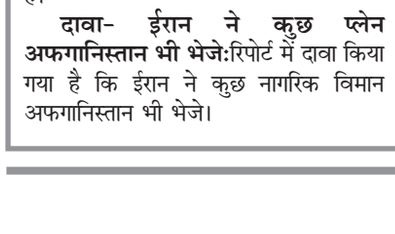

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दी। यह दावा CBS न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में किया है।

रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि अप्रैल में सीजफायर के ऐलान के कुछ दिन बाद ईरान ने कई विमान पाकिस्तान एयरफोर्स के नूर खान एयरबेस भेजे।यह एयरबेस रावलपिंडी के पास स्थित पाकिस्तान का अहम सैन्य ठिकाना माना जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भेजे गए विमानों में ईरानी एयरफोर्स का ऋष्ट-130 विमान भी शामिल था। यह लॉकहीड C-130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का खुफिया और निगरानी मिशन वाला वर्जन माना जाता है।

पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रिपोर्ट में किए गए दावों को खारिज किया। CBS न्यूज से बातचीत में उन्होंने कहा कि नूर खान एयरबेस शहर के बीच में स्थित है और वहां बड़ी संख्या में विमान छिपाना संभव नहीं है।

दावा- ईरान ने कुछ प्लेन अफगानिस्तान भी भेजे:रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने कुछ नागरिक विमान अफगानिस्तान भी भेजे।

26 घंटे में 3 हत्याएं करने वाला साइको किलर ढेर

यूपी पुलिस बोली:आरोपी ने पिस्तौल छीनकर फायरिंग की, एनकाउंटर में मारा गया

चंदौली,एजेंसी। यूपी में चलती ट्रेन और अस्पताल में तीन हत्याएं करने वाला साइको किलर सोमवार देर रात पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। चंदौली स्क आकाश पटेल ने बताया- पुलिस आरोपी को क्राइम सीन रीक्रिएट कराने के लिए लेकर गई थी। इसी दौरान उसने पुलिस अफसर की पिस्टल छीन ली और फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसे सिर और सीने में गोली लग गई। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। 45 साल के गुरप्रीत सिंह ने चंदौली में 26 घंटे के भीतर बेवजह तीन हत्याएं की थीं। तीनों वारदातों का पैटर्न एक जैसा था- गोली सीधे कनपटी पर मारी गई थी।

- पहली हत्या- रविवार सुबह करीब 7 बजे पैसेंजर ट्रेन में एक युवक को गोली मार दी।
- दूसरी हत्या- रविवार रात 2 बजे जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन में बाथरूम गए युवक को गोली मार दी।
- तीसरी हत्या- सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे। प्राइवेट अस्पताल में घुसकर बेड पर लेटी महिला की कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी।

महिला की हत्या करके भागने लगा तो भीड़ ने पकड़कर पीट दिया। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। पिटाई से गुरप्रीत जख्मी हो गया था। पुलिस ने उसका इलाज कराया। जब वह बोलने लायक हुआ तो महिला की हत्या करने की वजह पूछी गई। जवाब में उसने कहा- मैं मन का राजा हूं। शराब पीने के बाद मैं होश में नहीं रहता। घूम-घूमकर जो मन में आता है, करता हूं। एक नहीं, दो-तीन को मारकर आया हूं।ये जवाब सुनकर पुलिस भी चौंक गई। सख्ती से पूछताछ करने पर अपने सारे जुर्म कबूल कर लिए। गुरप्रीत सिंह मूल रूप से अमृतसर का रहने वाला था। छह साल पहले आर्मी से रिटायर हुआ था। उसका कोई स्थायी ठिकाना नहीं था। वह शादीशुदा था, लेकिन उसने पुलिस को पत्नी और बच्चों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

मानसून 4 दिन पहले आने का अनुमान:यूपी-बिहार समेत 5 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

राजस्थान का बाड़मेर दूसरे दिन सबसे गर्म, पारा 47.3 डिग्री

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/देहरादून ,एजेंसी। देश में मानसून तय समय से 4 दिन पहले दस्तक दे सकता है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून तक पहुंचता है, लेकिन इस बार 25 से 27 मई के बीच केरल तट पर पहुंचने की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में एक सिस्टम बन गया है, जो अगले 48 घंटे में और मजबूत हो सकता है। इससे दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश बढ़ेगी। यह सिस्टम मानसून को तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

यूपी-बिहार समेत 5 राज्यों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। बिहार और उत्तराखंड के सभी जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आंधी-तूफान और बारिश से 5 घरों और 7 गोशालाओं की छतें उड़ गईं।राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है। देश में सोमवार को राजस्थान का बाड़मेर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 47.3डिग्री दर्ज किया गया। जैसलमेर में 46.5डिग्री, फलोदी में 45.6डिग्री और बीकानेर में 45.3डिग्री तापमान रहा। मध्य प्रदेश के रतलाम में पारा 45डिग्री के पार रहा।

हिमंता दूसरी बार असम के सीएम

2 बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से मंत्री बने, सभी ने असमिया में शपथ ली; मोदी-शाह मौजूद रहे

गुवाहाटी,एजेंसी। हिमंता बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में शपथ ग्रहण कार्यक्रम में गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई।

हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता नेओम, AGP के अतुल बोरा, BPF के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं।

शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-NDA शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। हिमंता का पूरा परिवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहा।

सहयोगी दलों को मिली प्राथमिकता:मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंत्रियों के नामों की घोषणा की। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। शपथ लेने वाले मंत्रियों में असम गण परिषद के अध्यक्ष अतुल बोरा और बोडलैंड पीपुल्स फ्रंट के विधायक चरण बोरो शामिल हैं। ये दोनों नेता पिछली सरकार में भी कैबिनेट का हिस्सा थे।

महिला नेतृत्व के साथ-साथ अनुभवी चेहरे भी शामिल:कैबिनेट में महिला नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने के लिए अजंता नेओग को शामिल किया गया है। वह पिछली सरकार में भी मंत्री रह चुकी हैं। इनके अलावा, रामेश्वर तेली ने भी मंत्री पद की शपथ ली। तेली पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रह चुके हैं और 2026 के विधानसभा चुनाव में वापस राज्य की राजनीति में सक्रिय हुए हैं।

- **स्पीकर पद के लिए रंजीत कुमार दास का नाम:** सरकार गठन के साथ-साथ विधानसभा अध्यक्ष के नाम पर भी मुहर लग गई है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रंजीत कुमार दास असम विधानसभा के अगले स्पीकर होंगे। मुख्यमंत्री सरमा ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि पूरी टीम राज्य के विकास और समृद्धि के लिए पूरी निष्ठा से काम करेगी।
- **असम चुनाव में भाजपा की शानदार जीत:** इस चुनाव में भाजपा नीत एनडीए ने राज्य में शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 में से 102 सीटों पर कब्जा किया है। भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतकर अपनी पकड़ मजबूत की है। इस प्रचंड बहुमत के साथ हिमंत बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उनकी लोकप्रियता और कुशल रणनीतियों ने गठबंधन को इस ऐतिहासिक सफलता तक पहुंचाया है।

एआईएडीएमके में फूट, बागी गुट का टीवीके को समर्थन

षणमुगम बोले- जनादेश विजय के साथ, हम टीवीके से जुड़ते तो खत्म हो जाते

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में एआईएडीएमके पार्टी में दो हिस्सों में टूट गई है। पार्टी के नेता सीवी षणमुगम ने सीएम विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को समर्थन देने का आधिकारिक ऐलान कर दिया। कहा जा रहा है कि उनके साथ 30 विधायकों ने भी विजय को समर्थन देना स्वीकार किया है।मंगलवार सुबह षणमुगम ने बयान दिया, 'हम जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं। यह जनादेश टीवीके के लिए नहीं, विजय के लिए है। इसलिए हम टीवीके सरकार को अपना समर्थन देते हैं। अगर हम ष्ठस्थ्य के साथ गठबंधन करते तो एआईएडीएमके का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता।षणमुगम ने यह भी कहा- मेरी एआईएडीएमके तोड़ने की कोई मंशा नहीं है। एडप्पादी पलानीसामी ही हमारे नेता हैं।

षणमुगम बोले- हमारा पूरा फोकस पार्टी को दोबारा मजबूत करने पर: षणमुगम ने कहा- हमने एआईएडीएमके की स्थापना टीवीके के खिलाफ की थी। 53 सालों से हमारी राजनीति टीवीके के खिलाफ रही है। इसे देखते हुए एक प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें सुझाव दिया गया था कि टीवीके के समर्थन से एआईएडीएमके की सरकार बनाई जाए। हालांकि, हमारे ज्यादातर सदस्यों ने इसे अस्वीकार कर दिइया और इसका विरोध किया।

बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत को ईडी ने गिरफ्तार किया

नगर निगम में अवैध भर्ती का आरोप; 150 लोगों को नौकरी दिलाई, पैसे-फ्लैट लिए

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और टीएमसी नेता सुजीत बोस को नगर निगम भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को अरेस्ट किया। सुजीत अपने बेटे समुद्र बोस के साथ सुबह करीब 10:30 बजे ईडी ऑफिस पहुंचे थे। उनसे करीब 10 घंटे पूछताछ की गई, फिर रात को गिरफ्तार कर लिया गया। सुजीत बोस पर 2014-2018 के बीच साउथ दमदम नगर निगम में करीब 150 लोगों की अवैध भर्ती कराने का आरोप है। कहा जाता है कि सुजीत ने इसके बदले पैसे और फ्लैट लिए थे। सुजीत उस वक्त दमदम नगर पालिका के उपाध्यक्ष थे।बिधाननगर से तीन बार के विधायक रहे सुजीत बोस हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के शरदवत मुखर्जी से 37,000 से अधिक वोटों के अंतर से हार गए थे।

पश्चिम एशिया संकट पर पवार बोले- मोदी सर्वदलीय बैठक बुलाएं

पीएम की गोल्ड न खरीदने की अपील पर ज्वेलर्स ने कहा- रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा

नई दिल्ली,एजेंसी। शरद पवार ने मंगलवार को पश्चिम एशिया संकट पर पीएम नरेंद्र मोदी से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित से जुड़े मामलों में सभी दलों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना देशहित के लिए जरूरी है।

पवार ने ङ्क पर लिखा- पीएम मोदी ने अचानक जनता से सोना न खरीदने, पेट्रोल और डीजल कम खर्च करने की अपील की है। इससे अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है। अचानक हुई इन घोषणाओं से आम लोगों और कारोबारियों के बीच बेचैनी बढ़ी है।इधर, ज्वेलरी काउंसिल का कहना है कि पीएम को उनसे बात करनी चाहिए थी। पीएम के अपील से हमारी रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। दरअसल, पीएम मोदी ने लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील की।

हालांकि, इस बीच पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि देश में तेल और गैस की कोई कमी नहीं है। भारत के पास 69 दिन का कच्चे तेल और 45 दिन का LPG स्टॉक मौजूद है।।

3 मई को हुआ नीट-एग्जाम रद्द

23 लाख छात्र बैठे थे:पेपर लीक के आरोप, सीबीआई जांच करेगी; परीक्षा की नई तारीख अभी तय नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी ने 3 मई को हुई NEET परीक्षा रद्द कर दी। यह फैसला पेपर लीक होने के आरोप के चलते लिया गया। CBI को मामले की जांच का आदेश दिया गया है। NTA ने कहा है कि परीक्षा की नई तारीख जल?द जारी की जाएंगी। परीक्षा में 22.79 लाख छात्र शामिल हुए थे।

NTA ने कहा है कि प्रभावित छात्रों को दोबारा परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा। उनके एग्जाम सेंटर्स में भी बदलाव नहीं होगा। रीएग्जाम के लिए नए एडमिट कार्ड जारी किए जाएंगे। परीक्षा में शामिल छात्रों की फीस भी वापस की जाएगी।NEET एग्जाम 2013 में शुरू हुआ था। NTA ने इसे पहली बार 2019 में कराया। 2024 में पेपर लीक के चलते कुछ सेंटर्स पर परीक्षा रद्द की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पूरा एग्जाम कैंसिल करने से इनकार किया था। 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा हुई थी।

पेपर छपने से पहले ही नकल गैंग तक पहुंचे:NTA ने बताया कि 8 मई 2026 को ही इस मामले से जुड़ी कुछ जांचों को केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दिया गया था, ताकि परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पेपर छपने से पहले ही सवाल नकल गैंग के पास पहुंच गए थे। इस 'लीक' के तार सीधे तौर पर जयपुर से जुड़ रहे हैं। राजस्थान में कई स्टूडेंट्स के पास हाथ से लिखा हुआ गैस पेपर मिला था, जिसके सवाल असल परीक्षा से मैच हो रहे हैं।स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने सोमवार को देहरादून, सीकर और झुंझुनूं से 15 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इसमें जयपुर से मनीष नाम के शख्स को पकड़ा है। इसे ही पेपर छपने से पहले सवाल लीक करने का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। इसके पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

इसके कई और राज्यों में फैले होने की आशंका है। गैंग ने छपने से पहले ही लीक किए सवालों में दूसरे सवाल मिलाकर एक 'क्वेश्चन बैंक' तैयार किया। इस काम को मनीष ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया।SOG इन सबकी धरपकड़ करने में जुटा है। इसे लेने वाले कई छात्रों से एजेंसी ने पूछताछ की है। इसमें इन्होंने पैसे के लेनदेन की बात स्वीकार की है।

तमिलनाडु में शराब की 717 दुकानों पर लगेगा ताला... सीएम विजय ने दिया आदेश

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में सीएम पद संभालने के साथ ही विजय एक्शन मोड में आ गए हैं। अब उन्होंने राज्य में पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टेशनों के पास स्थित शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया है। विजय ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम द्वारा चलाई जा रही शराब की दुकानों का सर्वे करने को कहा है, जिससे उन दुकानों की पहचान की जा सके, जो पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंड के पास चल रही हैं।

4,765 खुदरा शराब की दुकानें संचालित: एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, आम जनता के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंड के 500 मीटर के दायरे में स्थित 717 खुदरा शराब की दुकानों को दो हफ़्तों के भीतर बंद करने का आदेश जारी किया है। वर्तमान में, तमिलनाडु राज्य विपणन निगम द्वारा 4,765 खुदरा शराब की दुकानें चलाई जा रही हैं। इसमें आगे लिखा है, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने एक सर्वे करने और उन दुकानों की पहचान करने का निर्देश दिया जो पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंड के 500 मीटर के दायरे में स्थित हैं। उपरोक्त आदेश के अनुसार, यह पहचान की गई कि इन तीन निर्दिष्ट श्रेणियों के अंतर्गत वर्तमान में 717 खुदरा शराब की दुकानें चल रही हैं।

घोषणापत्र में नशामुक्त तमिलनाडु का वादा: बता दें कि तमिलनाडु राज्य विपणन निगम द्वारा संचालित शराब की दुकानों ने राज्य सरकार को भारी राजस्व मिलता है। लेकिन कई बार राजनीतिक दल इन्हें बंद करने की मांग करते रहते हैं। अभी ईडी की रडार पर भी है। पिछले साल, जांच एजेंसी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट पूरे तमिलनाडु में कई जगहों पर छापे मारे थे। टीवीके ने अपने घोषणापत्र में एक नशामुक्त तमिलनाडु का भी वादा किया है। ऐसे में पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंड के 500 मीटर के दायरे में स्थित शराब दुकानों को बंद कराने का निर्णय इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

फरीदाबाद नगर निगम मुख्यालय के गेट पर डाला कूड़ा, हड़ताली कर्मचारियों ने बंद किया अफसरों का रास्ता

फरीदाबाद,एजेंसी। पिछले एक माह से हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को सुबह नगर निगम मुख्यालय के सामने गेट पर कूड़ा डाल दिया। जिससे मुख्यालय के आने जाने का रास्ता बंद हो गया। सर्वकर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बलबीर बाल गुहेर ने बताया कि निगम मुख्यालय के बाहर बैठे सफाई कर्मचारियों की मांगों को सरकार द्वारा लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। इसके साथ ही दमकल विभाग में शहीद हुए साथियों को लेकर भी सरकार की ओर से अभी तक फैसला नहीं लिया गया है। उनके बच्चों के पालन पोषण का संकट पैदा हो गया है। नगर निगम आयुक्त कर्मचारियों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने का कोई भी प्रयास नहीं कर रहे हैं। हड़ताल की वजह से शहर में गंदगी का ढेर लग गया है। अधिकारियों को नींद से जगाने के लिए निगम मुख्यालय के सामने कूड़े का ढेर डाला गया है।

डॉ. सुषमा भास्कर माटे ने संभाला रेलवे के प्रमुख चिकित्सा निदेशक का पदभार

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक नया नेतृत्व मिल गया है। मुंबई से स्थानांतरित होकर आई डॉ. सुषमा भास्कर माटे ने पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। सोमवार को पीआरकेएस के नेता विनोद राय के नेतृत्व में संघ के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की। संघ के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नई पीसीएमडी को कार्यभार संभालने पर बधाई दी। बुके और स्मृति चिह्न भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। मुलाकात के दौरान राय ने रेल कर्मचारियों और उनके आश्रितों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं में आ रही गंभीर व्यावहारिक दिक्कतों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान दीपक चौधरी, कुलदीप मणि त्रिपाठी, फिरोजुल हक, संजीव धर, देवेश सिंह, शमसाद अहमद, राजू रावत, जय प्रकाश, लक्ष्मी कवास्तव, अखिलेश तिवारी, पायल शर्मा, अंजना सिंह आदि मौजूद रहीं।

व्यापारियों ने जमीन कब्जा करने का लगाया आरोप, सीएम से की शिकायत

गोरखपुर, एजेंसी। कस्बे के पुरानी हनुमानगढ़ी निवासी व्यवसायी शशि कुमार अग्रवाल और शरद कुमार अग्रवाल ने अपनी जमीन पर कुछ लोगों की ओर से अवैध कब्जे करने, धमकी और धन उगाही की कोशिश करने का आरोप लगाया है। आरोपियों पर 50 लाख रुपये मांगने का भी आरोप है। पीड़ित व्यापारियों ने मुख्यमंत्री समेत प्रशासनिक अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2019 में एक मकान और जमीन खरीदी थी। हाल ही में निर्माण कार्य शुरू कराने पर कुछ लोग लगातार आपत्ति जता रहे हैं। आरोप है कि विरोध करने वाले लोग प्रशासन को भ्रामक शिकायतें भेजने के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से भी दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यही नहीं आरोपी जमीन के बदले आधा हिस्सा अथवा 50 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। मांग पूरी नहीं होने पर निर्माण कार्य रुकवाने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है। थाना प्रभारी सुनील कुमार राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अब दक्षिणांचल के खेतों की भी होगी नहर से सिंचाई, लबालब रहेगा पानी

गोरखपुर , एजेंसी। जिले के दक्षिणांचल में भी किसानों के खेतों की सिंचाई नहर से होगी। निर्बाध सिंचाई व्यवस्था के लिए चौधरी चरण सिंह गोला पंप नहर का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। 22.29 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्ष परियोजना का दो-तिहाई कार्य पूरा हो चुका है। इसे मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके आधुनिकीकरण से अब टेल तक लबालब पानी पहुंचेगा। गोला और बांसगांव के करीब 50 हजार किसानों के 13 हजार हेक्टेयर खेतों की सिंचाई हो सकेगी।

अंडरपास शुरू होने में लगेंगे 3 महीने; मानसून में ट्रैफिक करेगा टॉर्चर

नोएडा,एजेंसी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सबसे व्यस्त ट्रैफिक प्वाइंट्स में शामिल गौर चौक पर बन रहा 700 मीटर लंबा अंडरपास अब मानसून से पहले शुरू नहीं हो पाएगा। ऐसे में लोगों को एक और मानसून ट्रैफिक जाम, डायवर्जन और समस्या के बीच गुजरना पड़ेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, प्रोजेक्ट को पूरा होने में अभी करीब तीन महीने और लगेंगे। पहले दावा किया गया था कि जून तक निर्माण कार्य पूरा कर अंडरपास को जनता के लिए खोल दिया जाएगा, लेकिन अब इसकी नई संभावित तारीख 15 अगस्त बताई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रोजेक्ट का 70 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। कुल 26 सेक्शन में से 20 सेक्शन या पैनल तैयार किए जा चुके हैं, जबकि बाकी छह सेक्शन पर अभी निर्माण कार्य जारी है।

इनमें से पांच सेक्शन गौर सिटी के पास और एक सेक्शन ग्रेटर नोएडा वेस्ट रोड की दूसरी ओर स्थित है। बाकी हिस्सों

में खुदाई, रिटेनिंग वॉल का निर्माण, क्योरिंग और ढलान को समतल करने का काम अभी बाकी है। निर्माण कार्य के चलते रोज लग रहा जाम फिलहाल ताज हाईवे के दोनों कॉरिडोर पर निर्माण कार्य के कारण ट्रैफिक डायवर्जन लागू है। भारी मशीनरी, बैरिकेडिंग और सर्विस लेन पर डायवर्ट ट्रैफिक की वजह से रोजाना लंबा जाम लग रहा है। गौर चौक लंबे समय से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सबसे बड़े ट्रैफिक जाम वाले इलाकों में शामिल रहा है। यहां प्रतिदिन नोएडा, गाजियाबाद, सूरजपुर, क्रॉसिंग रिपब्लिक और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की ओर जाने वाले वाहनों का भारी दबाव रहता है। इलाके में पांच लाख से अधिक लोग रहते हैं, जिससे पीक आवर्स में स्थिति और खराब हो जाती है।

जेवर एयरपोर्ट से बढ़ सकता है ट्रैफिक दबाव: बताया जा रहा है कि जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल फ्लाइट्स शुरू होने के बाद इस क्षेत्र में ट्रैफिक दबाव और बढ़ सकता है। करीब 92 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह छह लेन अंडरपास ग्रेटर नोएडा, गौर सिटी और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के बीच सीधा संपर्क प्रदान करेगा। इसके शुरू होने के बाद वाहनों को गौर चौक चौराहे से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे ट्रैफिक दबाव कम होने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट जुलाई 2024 में शुरू हुआ था और शुरुआत में इसकी समयसीमा 18 महीने तय की गई थी। हालांकि सर्दियों में लागू होने, निर्माण प्रतिबंधों और पीक आवर ट्रैफिक मैनेजमेंट के चलते काम में देरी हुई। लोगों का कहना है कि शाम के समय यहां गाड़ियां लगभग रेंगते हुए चलते हैं। उनके मुताबिक, निर्माण कार्य और डायवर्जन ने जाम की समस्या को और बढ़ा दिया है।

मंत्रिमंडल विस्तार तक वित्त और गृह मंत्रालय अपने पास रखेंगे सुवेंदु अधिकारी, बंगाल में हुआ विभागों का बंटवारा

कोलकाता,एजेंसी। बंगाल की बीजेपी सरकार ने उन पांच मंत्रियों को विभाग सौंपे, जिन्होंने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ शपथ ली थी।

जब तक मंत्रिमंडल का विस्तार पूरा नहीं हो जाता मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी उन विभागों की देखरेख करेंगे जिनका अभी तक किसी को आवंटन नहीं हुआ है। दिलीप घोष के पास पंचायत और ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास और कृषि विपणन जैसे तीन विभाग रहेंगे। वहीं, अग्निमित्रा पॉल फिलहाल नगरपालिका मामलों, शहरी विकास और महिला और बाल विकास का प्रभार संभालेंगी।

बीजेपी कर रही राज्य में पकड़ मजबूत करने की कोशिश: अभी के लिए राज्य में बीजेपी सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्य पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। बंगाल

की 110 नगर पालिकाओं और सात नगर निगमों के चुनाव यदि समय पर होते हैं तो दिसंबर में होने तय हैं और पंचायत चुनाव 2028 में होने तय हैं।

क्या हो सकती है आगे की स्थिति? हालांकि, यह संभावना है कि घोष पंचायत विभाग अपने पास रखेंगे और बाकी विभाग बाद में छोड़ देंगे। पॉल से भी उम्मीद है कि वे केवल महिला एवं बाल विकास विभाग ही अपने पास रखेंगी।

सुवेंदु के पास कौन से मंत्रालय रहेंगे? जब तक कैबिनेट विस्तार पूरा नहीं हो जाता तब तक सीएम सुवेंदु अधिकारी उन विभागों की देखरेख करेंगे जिन्हें अभी तक किसी मंत्री को सौंपा नहीं गया है। जिन विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है, उनमें गृह (पुलिस), वित्त, उद्योग और वाणिज्य, शिक्षा और स्वास्थ्य शामिल हैं।

निशीथ प्रमाणिक उत्तर बंगाल विकास, युवा सेवा और खेल काम देखेंगे। हालांकि, कैबिनेट विस्तार इस हफ्ते पूरा होने की संभावना नहीं है भले ही सीएम ने कहा है कि अगली कैबिनेट बैठक सोमवार को होगी।

अशोक कीर्तनिया बंगाल के खाद्य और आपूर्ति मंत्री होंगे और सहकारिता विभाग की देखरेख भी करेंगे। खुदीराम टुडू को जनजातीय विकास और पिछड़ा वर्ग कल्याण, साथ ही अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा विभाग दिए गए।

विभागों के बंटवारे से क्या संकेत मिल रहे?

कैबिनेट विभागों के बंटवारे से संकेत मिलता है कि जिन विभागों में नियुक्तियां की गई हैं, वे अगली कैबिनेट बैठक से पहले कुछ जरूरी फैसले लेंगे। जहां एक ओर अधिकारी के मंगलवार को गुवाहाटी के लिए रवाना हो गए हैं। वे असम के मनोनीत सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। वहीं दूसरी ओर विधानसभा स्पीकर चुनने के लिए सत्र आयोजित करेगी।

गुरुग्राम में अवैध रूप से डेयरी का निर्माण कर बेची जा रही थी शराब, पुलिस ने चलाया बुलडोजर

गुरुग्राम,एजेंसी। शहर में एक अपराधी द्वारा अवैध रूप से डेयरी का निर्माण कर उसमें अवैध रूप से शराब बेची जा रही थी। पुलिस टीम ने जांच के बाद कार्रवाई करते हुए सोमवार दोपहर डेयरी को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई सोमवार दोपहर ओम विहार फेस एक में की गई। जीरो टालरेंस नीति के तहत गुरुग्राम पुलिस भूमि माफिया और आदतन अपराधियों के खिलाफ सटीक एवं सशक्त अभियान चला रही है। इसी कड़ी में पुख्ता सूचना के आधार पर ओम विहार फेज एक में अवैध रूप से किए गए अवैध निर्माण की पहचान कर मशीनरी की सहायता से पूरी तरह उसे ध्वस्त किया गया। इसमें नाथूपुर निवासी आरोपित विकास की पहचान की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपित अवैध शराब रखने, बेचने की गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ छह केस भी दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी द्वारा लगभग 200 वर्ग गज जमीन पर अवैध रूप से दूध की डेयरी का निर्माण किया हुआ था तथा वहां से अवैध रूप से शराब बेचने की आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता था।

फाला फाला विवाद में फंसे दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति, बोले- इस्तीफा नहीं दूंगा; चलेगा महाभियोग

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने साफ कर दिया है कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे, जबकि संसद में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। यह मामला उनके निजी फार्म 'फाला फाला' से जुड़ी उस घटना को लेकर है, जिसमें साल 2020 में बड़ी मात्रा में अमेरिकी डॉलर चोरी होने का मामला सामने आया था।

सोमवार शाम राष्ट्र के नाम टीवी संबोधन में रामाफोसा ने कहा कि कुछ लोग उनसे इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, जबकि कई लोग चाहते हैं कि वह पद पर बने रहें। उन्होंने कहा कि वह संविधान के तहत चल रही प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस्तीफा नहीं देंगे। रामाफोसा ने कहा, 'अगर मैं अभी इस्तीफा देता हूं तो इसका मतलब होगा कि मैं उस रिपोर्ट को सही मान रहा हूं, जिसमें कई गंभीर खामियां हैं। मैं दक्षिण अफ्रीका के लोगों की सेवा जारी रखूंगा और अपना कार्यकाल पूरा करूंगा।'

क्या है 'फाला फाला' विवाद : यह विवाद 'फाला फाला' मामले को लेकर है। फाला फाला सिरिल रामफोसा का निजी फार्म है, जहां वह विदेशी नस्ल के मवेशी पाले जाते हैं। आरोप है कि साल 2020 में फार्म से करीब 5.8 लाख अमेरिकी डॉलर चोरी हो गए थे। बताया गया कि यह रकम एक चमड़े के सोफे के अंदर छिपाकर रखी गई थी। राज्य सुरक्षा एजेंसी के पूर्व प्रमुख ने दर्ज कराई थी शिकायत हालांकि यह मामला दो साल तक सार्वजनिक नहीं हुआ। बाद में दक्षिण अफ्रीका की राज्य सुरक्षा एजेंसी के पूर्व प्रमुख आर्थर फ्रेजर ने राष्ट्रपति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया गया कि रामाफोसा ने न तो इतनी बड़ी रकम की जानकारी अधिकारियों को दी और न ही चोरी की घटना की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई। रामाफोसा ने उस समय दावा किया था कि यह पैसा सूडान के कारोबारी मुस्तफा मोहम्मद इब्राहिम हाजिम को भैंस बेचने से मिला था। लेकिन इस मामले ने कानूनी और नैतिक सवाल खड़े कर दिए।

चीन के लिए जासूसी कर रहीं थी कैलिफोर्निया के आर्केडिया शहर की मेयर, एफबीआई की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

कैलिफोर्निया, एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया, कैलिफोर्निया के अर्काडिया शहर की मेयर ईलिग वांग पर संघीय अदालत में चीन की अवैध एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगा है। साल 2020 के अंत से 2022 तक ईलिग वांग ने चीनी सरकार के अधिकारियों के इशारों पर काम किया। इन लोगों ने अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों को अंजाम दिया। उन्होंने यूएस न्यूज सेंटर नाम की एक वेबसाइट के माध्यम से अमेरिका में चीन के समर्थन वाला प्रोपेगेंडा फैलाया। यह वेबसाइट खुद को स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक समाचार स्रोत बताती थी। असल में, वांग और उनके साथी चीनी अधिकारियों से निर्देश लेते थे और वेबसाइट पर उनके मनमुताबिक सामग्री पोस्ट करते थे। न्याय विभाग ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग और अन्य लोगों से संपर्क किया था। यह संपर्क वीचैट नाम के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए किया गया था। उस अधिकारी ने उन्हें पहले से लिखे हुए समाचार लेख भेजे थे ताकि उन्हें वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सके। दस साल तक हो सकती है सजा : रिपोर्टों के अनुसार, 58 वर्षीय वांग ने गंभीर अपराध के आरोप में दोषी ठहराए जाने पर सहमति जताई है, जिसके लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। न्याय विभाग के बयान के अनुसार, वांग आज दोपहर लॉस एंजिल्स की जिला अदालत में पेश होंगी। उम्मीद है कि वह आने वाले हफ्तों में आधिकारिक तौर पर अपना गुनाह कबूल कर लेंगी। वांग नवंबर 2022 में अर्काडिया सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं। इस पांच सदस्यीय परिषद में मेयर का पद बारी-बारी से मिलता है। अब उन्होंने सिटी काउंसिल और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है।

क्या बोले अधिकारी : नेशनल सिक्योरिटी के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल जॉन ए ईसेनबर्ग ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है।

यूएस-ईरान संघर्ष के बीच बड़ा दावा: पाकिस्तान के एयरबेस पर छिपाए गए ईरानी विमान ! अमेरिकी रिपोर्ट से मचा भूचाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच पाकिस्तान को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर खड़ा होने की अनुमति दी, ताकि वे अमेरिकी हवाई हमलों से बच सकें। यह दावा अमेरिकी न्यूज चैनल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से किया है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की, उसके बाद ईरान ने अपने कई सैन्य विमान पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर भेजे थे। इनमें एक जासूसी और खुफिया जानकारी जुटाने वाला विमान भी शामिल बताया

गया है। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि इन विमानों को अमेरिकी हमलों से सुरक्षित रखने के लिए पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किया गया।

अफगानिस्तान में भी छिपाए गए ईरान विमान : इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान ने अपने कुछ नागरिक विमानों को अफगानिस्तान में भी भेजा था। अफगान अधिकारियों के अनुसार, ईरानी एयरलाइन 'महान एयर' का एक विमान युद्ध शुरू होने से पहले काबुल पहुंचा और ईरानी एयरस्पेस बंद होने के बाद वहीं रुका रहा। बाद में उसे ईरान सीमा के पास हेरात एयरपोर्ट भेज दिया गया।

अमेरिकी सीनेटर ने पाकिस्तान की भूमिका पर उठाए सवाल : इन खबरों के सामने आने के बाद अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह रिपोर्ट सही है, तो अमेरिका को ईरान और दूसरे देशों के बीच मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की भूमिका पर दोबारा गंभीरता से विचार करना होगा। ग्राहम ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कुछ रक्षा अधिकारियों के पहले दिए गए बयानों को देखते हुए उन्हें इस खबर पर हैरानी नहीं होगी।

पाकिस्तान ने दावों को बताया गलत : दूसरी ओर पाकिस्तान ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताया है। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अमेरिकी न्यूज चैनल से कहा कि नूर खान एयरबेस शहर के बीचों-बीच स्थित है और वहां बड़ी संख्या में विमान छिपाकर रखना संभव नहीं है, क्योंकि लोगों की नजर आसानी से पड़ सकती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की सैन्य जरूरतों के लिए चीन पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान को मिलने वाले बड़े हथियारों में लगभग 80 प्रतिशत चीन से आए। इसके अलावा पाकिस्तान के चीन और ईरान दोनों से करीबी संबंध हैं, इसलिए वह इस पूरे संकट में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

विधायक जी अब राजनीति छोड़ गायकी करें! मुख्यमंत्री

कन्या विवाह में सोहाग गीत गाते नजर आए विधायक

लोगो ने कहा मंच पर गीत ज्यादा, क्षेत्र में विकास कम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले की राजनीति इन दिनों एक अनोखी चर्चा के केंद्र में आ गई है। आमतौर पर विकास कार्यों सड़क, बिजली, पानी और जनसमस्याओं को लेकर सुर्खियों में रहने वाली राजनीति अब सोहाग गीत और मंचीय प्रस्तुतियों को लेकर चर्चा में है जिले के विधायक नरेंद्र प्रजापति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वे मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम के मंच पर पारंपरिक सोहाग गीत गाते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही क्षेत्र में राजनीतिक बहस शुरू हो गई है और अब लोग तंज कसते हुए कहने लगे हैं कि यदि विधायक जी का मन गायकी में ज्यादा है तो उन्हें राजनीति छोड़ संगीत की दुनिया में कदम रख लेना चाहिए ताकि क्षेत्र की जनता विकास के लिए कोई नया जनप्रतिनिधि चुन सके। बताया जा रहा है कि हाल ही में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे कार्यक्रम के दौरान विधायक नरेंद्र प्रजापति ने मंच संभाला और पारंपरिक लोक शैली में सोहाग गीत गाना शुरू किया शुरुआत में वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया लेकिन जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पहुंचा प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने विधायक के इस अंदाज को मनोरंजक बताया जबकि दूसरी ओर विरोधियों और स्थानीय नागरिकों के एक वर्ग ने इसे जनप्रतिनिधि की प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए गंभीर सवाल खड़े कर दिए। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आज भी कई मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं गांवों में सड़कें खराब हैं कई जगह पेयजल संकट बना हुआ है युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है ऐसे में जनता को उम्मीद थी कि उनका जनप्रतिनिधि इन मुद्दों पर सक्रिय दिखाई देगा लेकिन विधायक मंचों पर गीत गाते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की टिप्पणियां सामने आने लगीं किसी ने लिखा अब विधायक नहीं गायक बन गए हैं। वहीं कुछ लोगों ने तंज कसते हुए कहा विधानसभा से ज्यादा रुचि अब सांस्कृतिक मंचों में दिखाई दे रही है कई लोगों ने यह भी लिखा कि यदि विधायक जनता की समस्याओं को लेकर इतनी ही सक्रियता दिखाएं जितनी मंच पर दिखाई दे रही है तो क्षेत्र का विकास तेजी से हो सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नेताओं का सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना नई बात नहीं है भारतीय राजनीति में कई नेता सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी भागीदारी निभाते रहे हैं। लेकिन जब जनता क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर नाराज हो और विकास कार्यों की रफ्तार पर सवाल उठ रहे हों तब इस प्रकार की तस्वीरें विरोधियों को हमला करने का मौका दे देती हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्य अधूरे पड़े हुए हैं कुछ गांवों में अब भी खराब सड़कें लोगों की परेशानी बनी हुई हैं किसान सिंचाई और बिजली की समस्याओं से जूझ रहे हैं युवाओं के सामने रोजगार का संकट है ऐसे में जनता चाहती है कि उनका विधायक इन मुद्दों को लेकर ज्यादा गंभीरता से काम करे न कि केवल मंचीय कार्यक्रमों में व्यस्त दिखाई दे। हालांकि विधायक समर्थकों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि किसी सामाजिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेना गलत नहीं है। समर्थकों का तर्क है कि सोहाग गीत भारतीय लोक संस्कृति का हिस्सा हैं और विधायक ने केवल सामाजिक माहौल को बेहतर बनाने और लोगों से जुड़ाव दिखाने का प्रयास किया है। उनका कहना है कि विपक्ष बिना वजह इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने में लगा हुआ है। इसके बावजूद अब क्षेत्र में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं क्या जनता अपने नेता से मनोरंजन चाहती है या विकास यही सवाल अब गांव की चौपालों से लेकर सोशल मीडिया तक गूंजने लगा है। फिलहाल मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में विधायक नरेंद्र प्रजापति द्वारा गाया गया सोहाग गीत रीवा जिले की राजनीति में नई बहस छेड़ चुका है आने वाले दिनों में यह मुद्दा कितना राजनीतिक असर डालता है और जनता इसे किस नजर से देखती है इस पर सभी की नजर बनी हुई है।

जनसुनवाई में मिली शिकायत पर कलेक्टर का सख्त रुख, जांच के आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनसुनवाई में प्राप्त एक गंभीर शिकायत पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कदम उठाए हैं। मामले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीधी चंदूलाल पनिका की एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने तथा ग्राम पंचायत मोहनिया की रोजगार सहायक प्रतिष्ठा सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित कर उनके आगामी दो माह का वेतन रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। यह मामला ग्राम पंचायत मोहनिया निवासी दिव्यांग हितग्राही बाबूलाल कोल से संबंधित है जिन्होंने शिकायत की थी कि उन्हें समग्र आईडी में गलत तरीके से मृत दर्ज कर दिया गया, जबकि वे जीवित हैं इस गंभीर त्रुटि के कारण उनकी दिव्यांग पेंशन और शासकीय उचित मूल्य दुकान से मिलने वाला खाद्यान्न बंद हो गया था जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जांच में यह तथ्य सामने आया कि यह गलती ग्राम रोजगार सहायक द्वारा की गई लापरवाही का परिणाम है जो अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है साथ ही इस प्रकरण में अपेक्षित कार्रवाई न किए जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीधी की भूमिका पर भी सवाल उठे जिसके चलते उनकी जवाबदेही तय की गई। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रोजगार सहायक के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए हैं उन्होंने यह स्पष्ट करने को कहा है कि हितग्राही को मृत दर्ज करने जैसी गंभीर त्रुटि कैसे हुई और इससे किसे लाभ पहुंचा। जांच के लिए प्रभारी अधिकारी विभागीय जांच शाखा, जिला कार्यालय सीधी को जांच अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीधी को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है निर्देश दिए गए हैं कि एक माह के भीतर जांच पूर्ण कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि को गंभीरता से लिया जाएगा तथा ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

'जनगणना रथ' बनकर गांव-गांव पहुंच रहे शिक्षक स्कूटी के माध्यम से फैला रहे जनजागरूकता, सही जनगणना को बता रहे विकास की आधारशिला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए केवल बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि मजबूत संकल्प और जनसेवा की भावना की आवश्यकता होती है ऐसा ही प्रेरणादायक उदाहरण चुरहट तहसील में देखने को मिल रहा है जहां जनगणना फील्ड ट्रेनर के रूप में कार्यरत शिक्षक दयाशंकर द्विवेदी अपनी अनूठी पहल से लोगों के बीच जनजागरूकता का संदेश पहुंचा रहे हैं दयाशंकर द्विवेदी ने अपनी साधारण स्कूटी को जनगणना रथ का स्वरूप देकर उसे जनसेवा और जागरूकता का माध्यम बना लिया है। वे 1 मई से लगातार गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को जनगणना के महत्व सही जानकारी देने की जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका के बारे में जागरूक कर रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर वे लोगों को समझा रहे हैं कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, रोजगार और ग्रामीण विकास जैसी योजनाओं की रूपरेखा जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाती है इसलिए प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराए दयाशंकर द्विवेदी जनगणना सर्वे के 34 महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में भी ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दे रहे हैं इनमें मकान, परिवार, शौचालय, पेयजल, गैस कनेक्शन, बिजली, मोबाइल, वाहन, ऊर्जा स्रोत तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े पहलू शामिल हैं वे जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधानों की जानकारी देकर लोगों को सही जानकारी देने के महत्व से भी अवगत करा रहे हैं उनका कहना है कि सही जनगणना ही सही विकास की आधारशिला है यदि आंकड़े सटीक होंगे तभी शासन जनहित की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर सकेगा। आज के समय में जहां अधिकांश लोग केवल समस्याओं की चर्चा तक सीमित रह जाते हैं वहीं दयाशंकर द्विवेदी का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणा बनकर सामने आया है उन्होंने यह साबित किया है कि यदि सोच सकारात्मक हो और उद्देश्य जनहित का हो तो एक साधारण स्कूटी भी परिवर्तन और जागरूकता का प्रभावी रथ बन सकती है स्थानीय ग्रामीणों ने भी उनकी इस पहल की सराहना की है लोगों का कहना है कि इस अभियान से उन्हें जनगणना के महत्व को समझने का अवसर मिला है और अब वे अधिक जिम्मेदारी के साथ जनगणना कार्य में सहयोग करेंगे।

हिन्दू धर्म परिषद सारे विन्ध्य में मनाएगा गंगा दशहरा

मंदिरों और घरों में होगी गंगाजल कलश पूजा एवं महाआरती, तैयारियां शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिन्दू धर्म परिषद द्वारा इस वर्ष आगामी 26 मई को पूरे विन्ध्य क्षेत्र में गंगा दशहरा महोत्सव भव्य रूप से मनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है प्रयागराज, वाराणसी और हरिद्वार की तर्ज पर आयोजित होने वाले इस विशेष धार्मिक उत्सव को सार्वजनिक स्वरूप देने के लिए परिषद व्यापक स्तर पर आयोजन की रूपरेखा तैयार कर रही है। गंगा अवतरण दिवस के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व के अवसर पर विन्ध्य क्षेत्र के सभी मंदिरों एवं घरों में गंगाजल कलश की पूजा-अर्चना और आरती करने की योजना बनाई गई है इसके लिए विभिन्न धार्मिक संस्थाओं, मंदिर समितियों एवं सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जा रहा है। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित माजवानी एवं सहसंयोजक उमेश कुशवाहा ने बताया कि विन्ध्य क्षेत्र की नदियों का संगम गंगाजल से होने के कारण इस पर्व का धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है इसी को ध्यान में रखते हुए विभिन्न नदी तटों पर दीपदान, भजन संध्या, महाआरती और भंडारे के आयोजन का प्रस्ताव पारित किया गया है। इस आयोजन की रूपरेखा परिषद के मार्गदर्शक डॉ. सी.बी. शुक्ला, डॉ. के.के. परौहा, डॉ. ज्योति सिंह, डी.पी. सिंह परिहार एवं अवधेश वास्तव के मार्गदर्शन में तैयार की गई है वहीं महिला संरक्षक रश्मि शुक्ला एवं अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का दायित्व संभाला है। गंगा दशहरा महोत्सव में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय मोहन तिवारी, रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी, अखंड हिन्दू सनातन समिति के अध्यक्ष राजेश साहनी ज्योतिर्विद, ब्रह्माकुमारी कला संस्कृति प्रभाग के संयोजक बी.के. प्रकाश एवं मानस मंडल के कार्यक्रम संयोजक पियूषेन्द्र त्रिवेदी 'पियूष' ने भी पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया है रीवा नगर में बाबा घाट एवं बीहर नदी तट पर विशेष आयोजन प्रस्तावित किए गए हैं आयोजकों का मानना है कि बीहर नदी के तट पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का आकर्षण केंद्र बनेगा इसके लिए शीघ्र ही एक विस्तृत आयोजन समिति का गठन भी किया जाएगा।

30-31 मई को खेली जाएगी प्रो. उमा परौहा संभाग स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता

29वें वर्ष का आयोजन रीवा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में, विभिन्न वर्गों के खिलाड़ी होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग की प्रतिष्ठित संभाग स्तरीय प्रो. उमा परौहा टेबल टेनिस प्रतियोगिता इस वर्ष 30 एवं 31 मई 2026 को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रीवा में आयोजित की जाएगी यह प्रतियोगिता खेल भावना, प्रतिभा विकास और क्षेत्रीय खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से पिछले 28 वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही है और इस वर्ष इसका 29वां संस्करण होगा प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए संयोजक असद खान, कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी एवं सचिव डॉ. विनोद तिवारी ने बताया कि इस वर्ष भी प्रतियोगिता का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा जिसमें संभाग के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी भाग लेंगे आयोजन समिति ने प्रतियोगिता की सभी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं इस प्रतियोगिता में महिला-पुरुष एकल वर्ग, बालक-बालिका एकल वर्ग, सब जूनियर बालक-बालिका, कैडेट वर्ग, वेटरन्स महिला-पुरुष एकल एवं टीम इवेंट सहित विभिन्न श्रेणियों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच देना है बल्कि विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों में खेल के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना भी है। प्रतियोगिता के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने का अवसर मिलेगा साथ ही अनुभवी और वरिष्ठ खिलाड़ियों (वेटरन्स वर्ग) को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया जाएगा यह प्रतियोगिता समाजसेवी एवं चिकित्सक डॉ. के.के. परौहा की धर्मपत्नी प्रो. उमा परौहा की पुण्य स्मृति में आयोजित की जाती है विगत वर्षों में यह आयोजन खेल जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है और क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी जिला टेबल टेनिस संघ के पदाधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं पंजीयन एवं अन्य आवश्यक जानकारी संघ के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

धान भुगतान, बिजली संकट, सिंचाई व्यवस्था और आवारा पशुओं से फसल नुकसान पर जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) जिला रीवा के जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्टर रीवा को विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में धान खरीदी भुगतान में कथित भ्रष्टाचार, समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय में आ रही दिक्कतें, बिजली विभाग की लापरवाही, सिंचाई संकट, भूमि अभिलेखों की त्रुटियां तथा आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने आरोप लगाया कि सेवा सहकारी संस्था बीडा क्रमांक-02 में वित्तीय वर्ष 2024-25 की खरीफ फसल खरीदी के दौरान व्यापक अनियमितताएं संगठन के अनुसार 63 किसानों ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत 2192 क्विंटल धान का विक्रय किया था, लेकिन भुगतान और खरीदी प्रक्रिया में भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक लापरवाही के कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है किसानों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई एवं लंबित भुगतान शीघ्र कराने की मांग की ज्ञापन में किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग की समस्या भी उठाई उनका कहना है कि तकनीकी खामियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के कारण किसान समय पर स्लॉट बुक नहीं करा पा रहे हैं जिससे उन्हें अपनी उपज बेचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए किसानों का आरोप है कि खराब ट्रांसफार्मर एवं जर्जर केबिल समय पर नहीं बदले जा रहे हैं जिससे बार-बार विद्युत दुर्घटनाएं हो रही हैं कई स्थानों पर बिजली की चिंगारी से खेतों और घरों में आग लग चुकी है ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है सेमरिया क्षेत्र के किसानों ने शिकायत की कि नियमित बिजली बिल जमा करने के बावजूद ट्यूबवेलों के अत्यधिक बिल भेजे जा रहे हैं किसानों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया संगठन ने बाणसागर परियोजना से संबंधित भूमि अधिग्रहण मामलों को भी उठाया किसानों का कहना है कि 25 से 30 वर्ष पूर्व अधिग्रहित भूमि का रिकॉर्ड आज तक राजस्व अभिलेखों में सही ढंग से दर्ज नहीं किया गया जिससे बंटवारा, नामांतरण और क्रय-विक्रय में कठिनाइयां आ रही हैं ज्ञापन में आवारा पशुओं एवं जंगली जानवरों द्वारा फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया किसानों ने बताया कि दिन-रात रखवाली के बावजूद फसलें सुरक्षित नहीं बच पा रही हैं, जिससे आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन टिकैत व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के कई पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को त्वरित और संवेदनशील निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सीधी में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर सामने आया जिले के विभिन्न ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे 411 आवेदकों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों ने राजस्व, पंचायत, आवास, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, सड़क, पेंशन तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं सीईओ सोलंकी ने प्रत्येक आवेदन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की और लंबित मामलों पर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी प्रशासन की प्राथमिकता है कि आमजन को समय पर राहत मिले और उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सीईओ सोलंकी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर मौके पर ही हल किया जाए। वहीं जिन प्रकरणों में विस्तृत प्रक्रिया या जांच की आवश्यकता हो उनमें नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उन्होंने यह भी कहा कि समाधान होने के बाद संबंधित आवेदक को इसकी जानकारी अनिवार्य रूप से दी जाए ताकि प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और नागरिकों का विश्वास मजबूत हो। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे इसके साथ ही जिले के सभी उपखंड अधिकारी, तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों से प्राप्त शिकायतों तथा उनके निराकरण की वर्तमान स्थिति से जिला प्रशासन को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि गंभीर और जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाए कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए जिससे आवेदकों को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ी। जनसुनवाई कार्यक्रम एक बार फिर प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम साबित हुआ प्रशासन की सक्रियता और जवाबदेही से आम नागरिकों में विश्वास का वातावरण दिखाई दिया अधिकारियों ने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त सभी आवेदनों का समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा ताकि आमजन को त्वरित न्याय और राहत मिल सके।

मझौली में लगेगा युवा संगम रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला 19 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सीधी के संयुक्त तत्वावधान में 19 मई 2026 को 'युवा संगम' रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा यह एक दिवसीय मेला शासकीय वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय, मझौली परिसर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर की कई प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र की कंपनियां भाग लेंगी ये कंपनियां विभिन्न पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी मौके पर ही साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा भी मेले में विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे इन स्टॉलों के माध्यम से युवाओं को शासन की स्वरोजगार योजनाओं, बैंक ऋण सुविधाओं एवं उद्यम स्थापना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। अप्रेन्टिसशिप कार्यक्रमों की जानकारी भी युवाओं को उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें और अपने कौशल का विकास कर सकें।

सोने व ईंधन का संयमःनागरिकों संग शासन-प्रशासन भी हो अनुशासित

संपादकीय

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी। दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी की चेतावनी से बाजार में हड़कंप

सनत जैन

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा वैश्विक स्तर पर युद्ध जैसी आशंकाओं ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संभावित आर्थिक संकट, ईंधन की बढ़ती खपत, विदेशी निर्भरता तथा घरेलू संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर व्यक्त चिंताओं के बाद देश के बाजारों में बेचैनी का माहौल दिखाई दे रहा है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट, सोने और आभूषण कारोबार में चिंता तथा महंगाई को लेकर आम लोगों की आशंकाएं यह संकेत दे रही हैं कि देश आर्थिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश कर रहा है। भारत लंबे समय से ऊर्जा जरूरतों के लिए आयातित कच्चे तेल पर निर्भर रहा है। यदि पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति गंभीर होती है, तो सबसे पहला प्रभाव तेल और गैस की कीमतों पर पड़ेगा। पहले से ही महंगे पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस से परेशान जनता के सामने महंगाई की नई सुनामी खड़ी हो सकती है। परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न, सब्जियों, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ना लगभग तय माना जाता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सोना नहीं खरीदने, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, विदेश यात्राओं को रोकने और इसी के साथ ही भोजन में तेल कम से कम उपयोग करने पर जोर दिए जाने को लोग आने वाले कठिन समय की चेतावनी के रूप में देख रहे हैं। दरअसल कोरोना महामारी का अनुभव अभी भी देशवासियों की सामूहिक स्मृति में ताजा है। उस समय लॉकडाउन, बेरोजगारी, पलायन और आर्थिक ठहराव ने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया था। यदि वर्तमान संकट की तुलना उसी दौर से की जाती है, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ती ही बढ़ती है। बाजारों की घबराहट केवल आर्थिक आंकड़ों का परिणाम नहीं होती, बल्कि मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी उसमें बड़ी भूमिका निभाता है। निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ते ही शेयर बाजार गिरने लगता है और आम जनता खर्च रोककर बचत की ओर बढ़ती है। सोने की खरीद टालने की अपील ने भी बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत में आभूषण उद्योग करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ा है। यदि उपभोक्ता सोने की खरीद कम करते हैं, तो छोटे ज्वेलर्स, कारीगरों और संबंधित व्यापारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही कारण है कि व्यापारिक संगठनों में चिंता बढ़ी है। हालांकि सरकार का उद्देश्य विदेशी मुद्रा की बचत और अनावश्यक आयात कम करना हो सकता है, लेकिन ऐसे कदमों के सामाजिक और रोजगार संबंधी प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्तमान संकट का एक बड़ा पहलू विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार असंतुलन भी है। भारत का आयात लगातार निर्यात से अधिक रहा है। यदि तेल आयात पर खर्च बढ़ता है और विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। रिजर्व बैंक को रुपये को संभालने के लिए डॉलर बेचने पड़ सकते हैं। प्रवासी भारतीयों से आने वाली विदेशी मुद्रा में कमी और वैश्विक मंदी की आशंका इस संकट को और गंभीर बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह दौर सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। विपक्ष पहले ही बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता जैसे मुद्दों पर सरकार को घेर रहा है। यदि महंगाई लगातार बढ़ती है और जनता की क्रय शक्ति घटती है, तो इसका सीधा असर राजनीतिक माहौल पर पड़ेगा। इतिहास गवाह है कि आर्थिक संकट अक्सर सामाजिक असंतोष को जन्म देता है। ऐसे समय में केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को ठोस आर्थिक रणनीति, पारदर्शी संवाद और राहत उपायों के साथ आगे आना होगा। विपक्ष को भी राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर रचनात्मक सहयोग की भूमिका निभानी चाहिए। देश आर्थिक चुनौतियों का सामना केवल सामूहिक विश्वास, संतुलित नीतियों और जिम्मेदार नेतृत्व से ही कर सकता है। इस तरह की चेतावनियां जारी कर जनता को डराने के बजाय भरोसा दिलाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।।

युवाओं और बेरोजगारों की बढ़ती आत्महत्या

विकास के दावों के बीच गहराता मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संकट

देश लगातार विकास, डिजिटल क्रांति और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों की बात कर रहा है, लेकिन इसी चमक के पीछे एक ऐसा दर्दनाक सच भी छिपा है जो समाज और सरकार दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट ने इस सच्चाई को सामने ला दिया है कि देश में कुल आत्महत्या के मामलों में भले मामूली गिरावट आई हो, लेकिन छात्रों और बेरोजगार युवाओं के बीच आत्महत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि यह उस टूटते विश्वास, बढ़ते तनाव और असुरक्षित भविष्य की कहानी है जिससे देश का युवा वर्ग गुजर रहा है।

कांतिलाल मांडोत

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में देश में कुल 1,70,746 आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा कम हैं। लेकिन छात्रों की आत्महत्या का प्रतिशत 8.1 प्रतिशत से बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गया। संख्या के रूप में देखें तो 2023 में 13,892 छात्रों ने आत्महत्या की थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 14,488 पहुंच गया। इसी तरह बेरोजगारों में आत्महत्या की दर भी बढ़ी है। वर्ष 2023 में जहां 14,234 बेरोजगारों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 14,778 हो गई। यह स्थिति बताती है कि देश का युवा मानसिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर कठिन दौर से गुजर रहा है।

आज का छात्र सिर्फ पढ़ाई नहीं कर रहा, बल्कि वह लगातार प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाओं और असफलता के डर से भी लड़ रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में अंक और रैंक को सफलता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता, समाज और शिक्षा व्यवस्था की अपेक्षाएं इतनी बढ़ चुकी हैं कि कई छात्र खुद को लगातार दबाव में महसूस करते हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग और सरकारी नौकरी जैसी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले लाखों युवा दिन-रात संघर्ष करते हैं, लेकिन सीमित सीटों और बढ़ती प्रतियोगिता के कारण बहुत बड़ी संख्या में उन्हें असफलता का सामना करना पड़ता है। यह असफलता धीरे-धीरे मानसिक तनाव, अवसाद और निराशा में बदल जाती है।

कोटा, दिल्ली, पटना, हैदराबाद और देश के कई शिक्षा केंद्रों से लगातार छात्रों की आत्महत्या की खबरें सामने आती रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि यह उस शिक्षा व्यवस्था की विफलता है जिसने शिक्षा को सीखने की प्रक्रिया के बजाय एक

अंतहीन दौड़ बना दिया है। विद्यार्थियों के पास मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का माहौल नहीं है। अधिकतर संस्थानों में काउंसलिंग व्यवस्था केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। कई छात्र अकेलेपन, डर और असफलता के बोझ को भीतर ही भीतर झेलते रहते हैं।

बेरोजगारी की समस्या भी युवाओं को गहरे संकट में धकेल रही है। पढ़ाई पूरी करने के बाद जब युवाओं को रोजगार नहीं मिलता, तब उनके भीतर भविष्य को लेकर असुरक्षा बढ़ने लगती है। लाखों युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, पेपर लीक, सीमित अवसर और बढ़ती उम्र उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बना देती है। कई युवाओं को परिवार और समाज की उम्मीदों का दबाव भी झेलना पड़ता है। आर्थिक तंगी और लगातार असफलता का अनुभव उन्हें निराशा की ओर ले जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और अधिक गंभीर है। खेती-किसानी पर निर्भर परिवारों के युवाओं के सामने रोजगार के सीमित अवसर हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की आत्महत्या का आंकड़ा भी चिंताजनक है। वर्ष 2024 में 10,546 लोगों ने कृषि क्षेत्र में आत्महत्या की, जिनमें 4,633 किसान और 5,913 खेतिहर मजदूर शामिल हैं। यह बताता है कि आर्थिक अस्थिरता केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में भी गहरा संकट मौजूद है। खेती की बढ़ती लागत, कर्ज, प्राकृतिक आपदाएं और कम आय किसानों और मजदूरों को लगातार परेशान कर रही हैं।

समाज में तेजी से बढ़ता अकेलापन भी इस समस्या का एक बड़ा कारण बन रहा है। आधुनिक जीवनशैली में परिवारों के बीच संवाद कम हुआ है। मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में लोग एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। कई युवा अपनी परेशानियां किसी से साझा नहीं कर पाते। उन्हें डर रहता है कि लोग उनका मजाक उड़ाएंगे या उन्हें कमजोर समझेंगे। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आज भी समाज में जागरूकता की कमी है। अवसाद, चिंता और तनाव जैसी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

महिलाओं की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के 2,84,530 मामले दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सबसे अधिक मामले पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के हैं। घरेलू हिंसा, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव महिलाओं को मानसिक रूप से तोड़ते हैं। कई महिलाएं अपने संघर्षों को चुपचाप सहती रहती हैं, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है।

इस समस्या का समाधान केवल संवेदना व्यक्त करने से नहीं होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो युवाओं को मानसिक और आर्थिक सुरक्षा दे सकें। सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। परीक्षा आधारित दबाव को कम करना होगा और विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग तथा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में ऐसे वातावरण का निर्माण जरूरी है जहां छात्र बिना डर अपनी समस्याएं साझा कर सकें। रोजगार के क्षेत्र में भी सरकारों को गंभीरता से काम करना होगा। युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर पैदा करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा ताकि युवाओं का विश्वास बना रहे। स्वरोजगार और कौशल विकास योजनाओं को केवल घोषणाओं तक सीमित रखने के बजाय जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्योगों और कृषि आधारित रोजगार को बढ़ावा देना भी जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाना भी आवश्यक है। जिला स्तर पर काउंसलिंग केंद्र, हेल्पलाइन और मनोवैज्ञानिक सहायता सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर नियमित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। परिवारों को भी अपने बच्चों और युवाओं के साथ संवाद बढ़ाना होगा। केवल सफलता की उम्मीद करने के बजाय उनकी भावनाओं और संघर्षों को समझना जरूरी है।

समाज को यह समझना होगा कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। हर व्यक्ति की क्षमता और परिस्थिति अलग होती है। बच्चों और युवाओं पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डालना उन्हें भीतर से कमजोर बना सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए जितनी शारीरिक स्वास्थ्य को दी जाती है।

एनसीआरबी की यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यदि समय रहते सरकार, समाज और परिवार इस दिशा में गंभीर कदम नहीं उठाते, तो देश का युवा वर्ग निराशा और असुरक्षा के अंधेरे में और गहराई तक डूबता चला जाएगा। विकास तभी सार्थक होगा जब देश का युवा सुरक्षित, आत्मविश्वासी और आशावान महसूस करेगा। युवाओं को केवल सपने दिखाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें जीने और आगे बढ़ने के लिए मजबूत आधार भी देना होगा।

कहो तो कह दूं- झालमुड़ी ने कभी सोचा नहीं होगा कि वो सरकार भी बनवा सकती है...

बंगाल विधानसभा चुनावों में झालमुड़ी पर जितनी चर्चा हुई उतनी और किसी बात पर नहीं हुई। ये झालमुड़ी बंगाल का मुरमुरे, कच्चे सरसों के तेल, भुनी मूंगफली, प्याज, हरी मिर्च और कई तरह के मसालों को मिलाकर तुरंत बनाया जाने वाला प्रसिद्ध तीखा और चटपटा स्ट्रीट फूड है। बंगाली भाषा में झाल मतलब तीखा और मुड़ी मतलब मुरमुरा। समझ लो कि भेलपूरी की तरह ही होता है लेकिन इसमें सरसों के तेल का इस्तेमाल इसे बंगाली स्वाद देता है। पेट के लिए हल्का होता है और स्वाद में एकदम धमाकेदार। कलकत्ता ही नहीं लगभग पूरे बंगाल में जगह जगह इसकी दूकानें मिलती हैं।

चैतन्य भट्ट

हुआ यूं कि चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ऐसे ही एक झालमुड़ी स्टाल पर पहुंच गए। दस रुपए की झालमुड़ी खाई और लगे हाथ अपने चिर-परिचित अंदाज में दूकान वाले से कुछ बातें भी कर डालीं। बस इतना सा मामला राजनीतिक व्यंग्य और चुनावी कूटनीति का सबसे तीखा हथियार बन गया। सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई और खुद ममता बैनर्जी भी अपने भाषणों में इसकी चर्चा करना नहीं भूलीं। इस दस रुपए की मुई झालमुड़ी ने हिंदू मुस्लिम, बेरोजगारी, गरीबी, रेवड़ी और पता नहीं क्या क्या , सबको पीछे छोड़ दिया। बहरहाल चुनाव के नतीजे आए और भाजपा की शानदार जीत ने दीदी के अरमानों पर पानी फेर दिया। विपक्ष का एकक्षत्र नेता बनकर प्रधानमंत्री मोदी का विकल्प बनने का खूवाब देख रहीं ममता दीदी के पांव? अपनी खुद की जमीन से उखड़ गए। भारतीय लोकतंत्र की शाश्वत परंपरा निभाते हुए अब जहां देखो बंगाल चुनाव की चर्चा है। तरह तरह की व्याख्याएं हो रही हैं और इस विजय की प्रमुख सूत्रधार रही झालमुड़ी पर चर्चा लगातार जारी है , अपन को लगता है कि घाघ नेता अगले चुनावों की रणनीति में स्थानीय व्यंजनों को शामिल करने की होड़ में जुट गए हैं। सूचियां बनने लगी हैं कि किस राज्य से क्या उठाया जाए ?मंगोडे, फुल्की, पकौड़ी, भाजीबड़ा, आलू बंडा, सगोड़ा, गटपट, चाट,भेलपुरी, डोसा, समोसा वाले अपने अपने ठेले चमकाने में लग गए हैं। क्या भरोसा कल? किस्मत? मेहरबान हो जाए और दस रूपए की बिक्री के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मन की बात करने का मौका भी हाथ लग जाए।? वैसे एक बात तो है कि झालमुड़ी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वो अपने दम कर किसी राज्य में सरकार भी बनवा सकती है

अब व्यवहार सिखा रहे है

केंद्रीय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि अधिकारियों को सांसद और विधायकों के साथ व्यवहार का तरीका सिखाया जाए। 75 से अधिक वर्षों के प्रजातंत्र में अचानक यह आवश्यकता क्यों आन पड़ी, यह शोध का विषय है। लगता है कि हाल ही में नेताओं और अफसरों के बीच टकराव के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लिया गया है। ऐसे निर्देश पिछले चार महीने में दूसरी बार जारी हुए हैं। निर्देशों को जिला स्तर तक के हर अधिकारी तक पहुंचाने के आदेश है। इसका मतलब है कि अफसरों पर इन निर्देशों का कोई असर नहीं हुआ दरअसल अफसर सोचता है कि ये सांसद और विधायक एक टेंपररी फेस है पांच साल बाद कौन कन्हा होगा ये तो वे भी नहीं जानते लेकिन अपन को तो तीस पैंतीस साल राज करना है इसलिए इनको काहे को तवज्जो दें।

ये बात सही है कि लोकतंत्र में जनमत से चुने गए सांसद और विधायक निस्संदेह महत्वपूर्ण हैं। मगर कार्यपालिका और सरकारी अफसरों, कारिंदों का भी अपना महत्व है जिसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। यह कार्यपालिका ही है जो शासन की जनोपयोगी नीतियों को अमली जामा पहनाती? है। इन दोनों व्यवस्थाओं में टकराव नीतियों का क्रियान्वयन प्रभावित करता है। बीच में वह आम आदमी पिसता है जिसके पैसे से विधायिका और कार्यपालिका दोनों का निजाम चलता है। यह टकराव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अफसरों के टकराव तक ही सीमित नहीं है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि बनने से चूक गए बड़े स्तर के नेताओं को तो छोड़िए छुटभैया नेता भी अफसरों के साथ टकराव से बाज नहीं आते। चुनाव बिसात और पार्टियों की अंदरूनी राजनीति में इनका अपना महत्व होता है सो संग्राम में कूद पड़ना निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की मजबूरी बन जाती है।

सरकार ने चुने हुए जन प्रतिनिधियों की सुध तो ले ली। अपन का सोचना है कि अब पार्टियों को भी अपने कार्यकर्ताओं को अफसरों के साथ गरिमामय व्यवहार का तरीका सिखाने के लिए दिशानिर्देश जारी करना चाहिए। जरूरी है कि ऐसे व्यर्थ के टकराव टाले जाएं और बजाय लड़ाई झगड़ों के सब मिलकर उस आम आदमी के लिए काम करें जो बीच में व्यर्थ ही पिसता है। लेकिन ऐसा होगा नहीं क्योंकि जनता तो उस गेहूं की तरह है जिसे चक्की के दोनों पाटों के बीच पिसना पड़ता है और वो ऐसे ही पिसती रहेगी

पिता तो पिता ही होता है

लोग बाग बड़ा हल्ला मचा रहे हैं कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा से परिवारवाद के घोर विरोधी रहे तो फिर उन्होंने अपने बेटे को बिहार सरकार में मंत्री क्यों बनवा दिया? अरे भैया ये तो सोचो बाप आखिर बाप ही होता है हर बाप का यही सपना होता है कि उसका बेटा कहीं ना कहीं सेट हो जाए और फिर राजनीति तो ऐसी चीज है कि भले ही आपको कुछ आता हो या ना आता हो अगर आपके पिता राजनीति में बड़े ओहदे पर हैं तो समझ लो आपका तो फ्यूचर बन गया, नीतीश कुमार भी आखिरकार एक पिता हैं जब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे तब तक बेटे को लेकर निश्चिंत थे लेकिन जब से बिहार से नाता टूटा है तब से उनको यही चिंता लग रही होगी कि मेरे बेटे का क्या होगा भले ही वे जिंदगी भर परिवारवाद के विरोध में रहे हों लेकिन जब अपने पर आती है तो सारे विरोध गायब हो जाते हैं । जनता दल यू वाले सफाई दे रहे हैं की भाई वो तो पार्टी के कार्यकर्ताओं की मांग थी की निशांत जी को राजनीति में आना चाहिए ,चलो मान भी ले उनकी बात ,तो संगठन में आ जाते हैं जनता दल यू तो बहुत बड़ा दल है कुछ साल एक कार्यकर्ता की तरह पार्टी की सेवा करते लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे थे तो सीधे मंत्री बन गए । वैसे अपने को इससे कोई शिकायत नहीं है क्योंकि डॉक्टर का बेटा डॉक्टर, वकील का बेटा वकील, व्यापारी का बेटा व्यापारी, अफसर का बेटा अफसर बनता है तो फिर मुख्यमंत्री का बेटा यदि मंत्री बन गया तो इसमें काहे का ऐतराज लेकिन ये बात अलग है कि डॉक्टर के बेटे को डॉक्टरी पास करने के लिए पांच साल लगते हैं वकील के बेटे को भी एलएलबी करने में पांच साल लगते हैं व्यापारी का बेटा बचपन से दुकान बैठता है तब व्यापारी बन पाता है अफसर का बेटा भी पीएससी, यूपीएससी पास करता है तब अफसर बन पाता है लेकिन नेता का बेटा हजारों कार्यकर्ताओं के सिर पर पैर रखकर सीधा विधायक मंत्री सांसद बन जाता है बस इतना फर्क है। और वो ही निशांत कुमार ने किया।

‘संवाद से संपूर्ण समाधान’ शिविर बना जनआस्था और सुशासन का महाकेंद्र

सुशासन तिहार 2026 में उमड़ा जनसैलाब, 341 से अधिक आवेदनों पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकां पहल सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत केसौड़ा में आयोजित विशाल जनसमस्या निवारण शिविर जनविश्वास, सुशासन और संवेदनशील प्रशासन का प्रभावशाली उदाहरण बनकर सामने आया ‘संवाद से संपूर्ण समाधान’ की भावना के साथ आयोजित इस शिविर में 17 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की योजनाओं और सेवाओं का सीधा लाभ प्राप्त किया। शिविर में ग्राम पंचायत अक्तवार, च्यूल, जूईली, रौंपा, मैनपुर, दुधांसी, खमरौध, बड़वार, बेनीपुर, केसौड़ा, बड़गांवकला, मनियारी, घघरा, भगवानपुर, बरहोरी, ओहनिया एवं सेमरिया के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे। सुबह से ही शिविर स्थल पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। ग्रामीण अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन लेकर पहुंचे जहां अधिकारियों ने गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्याएं सुनीं कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि अन्य आवेदनों को समय-सीमा के भीतर समाधान के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया आयोजन के दौरान ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास और उत्साह का सकारात्मक माहौल देखने को मिला। शिविर में भरतपुर महिला रामायण मंडली ने भजन-कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात मंडली को जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, बिहान योजना, मनरेगा, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, पुलिस विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, आयुष विभाग तथा आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न विभागों द्वारा उपयोगी स्टॉल लगाए गए थे इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ त्वरित समाधान भी उपलब्ध कराया गया। शिविर में कुल 341 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए जिनमें बड़ी संख्या में आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, जॉब कार्ड, राशन कार्ड एवं आधार कार्ड का वितरण भी किया गया जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन गांव-गांव पहुंचकर आम जनता की समस्याओं का समाधान कर रहा है वहीं जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह एवं जनपद उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य ने सुशासन तिहार 2026 को शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बताया।

फाउंडेशन कार्य के लिए ब्लास्टिंग अनुमति की मांग तेज, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बहुप्रतीक्षित 220 बिस्तरीय आधुनिक अस्पताल भवन निर्माण परियोजना को जल्द ही नई गति मिलने की संभावना है निर्माण कार्य के दौरान फाउंडेशन क्षेत्र में कठोर चट्टानी परतें मिलने से उत्पन्न तकनीकी बाधाओं को दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी), अंबिकापुर द्वारा प्रशासन से नियंत्रित ब्लास्टिंग की अनुमति मांगी गई है सीजीएमएससी के कार्यपालन अभियंता द्वारा अनुविभागीय अधिकारी मनेन्द्रगढ़ को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि अस्पताल भवन के राफ्ट फाउंडेशन की खुदाई के दौरान भारी मात्रा में हार्ड रॉक सामने आई है, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार यदि इन चट्टानी परतों को नियंत्रित तरीके से नहीं हटाया गया तो परियोजना की समयसीमा प्रभावित हो सकती है इसी कारण सुरक्षित और नियंत्रित ब्लास्टिंग को आवश्यक बताया गया है। जानकारी के अनुसार अस्पताल निर्माण के लिए 6 अक्टूबर 2025 को कार्यादेश जारी किया गया था। इसके बाद निर्माण प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही थी लेकिन खुदाई कार्य के दौरान कठिन भू-संरचना सामने आने से फाउंडेशन निर्माण में तकनीकी चुनौतियां उत्पन्न हो गईं अब परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए विशेष तकनीकी उपायों के तहत नियंत्रित विस्फोट की प्रक्रिया अपनाने की तैयारी की जा रही है। सीजीएमएससी ने प्रशासन से 13 मई 2026 से 23 मई 2026 तक सीमित अवधि के लिए ब्लास्टिंग कार्य की अनुमति देने का अनुरोध किया है प्रस्तावित अनुमति मिलने के बाद फाउंडेशन क्षेत्र में मौजूद चट्टानी परतों को हटाकर निर्माण कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा प्रशासनिक स्तर पर इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

बिलासपुर नगर निगम वार्ड-29 उपचुनाव 18 तक जमा होंगे नामांकन-पत्र

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 29 संजय गांधी नगर के साथ ही पंचायत चुनाव के लिए सोमवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है एक जून को होने वाले वोटिंग से पहले 18 मई तक नामांकन दाखिल होंगे 21 मई को नाम वापसी और मतदान के बाद 4 जून को मतगणना होगी। चुनाव प्रक्रिया शुरू होते ही शहर में भाजपा-कांग्रेस की राजनीति गरमाने लगी है। वहीं प्रत्याशी चयन को लेकर भी मंथन अंतिम दौर पर है माना जा रहा है कि कांग्रेस जाति समीकरण पर दांव खेलते हुए आजम खान, अब्दुल तस्लीम या फिर जयपाल निर्मलकर को प्रत्याशी बना सकती है जबकि, भाजपा से मधुसूदन राव, संध्या चौधरी व राजेश रजक उम्मीदवार हो सकते हैं। उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही कांग्रेस के शहर अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने एकजूटता के साथ चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई है उन्होंने प्रत्याशी चयन के लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन किया है इस समिति में शहर के अनुभवी नेताओं को शामिल किया गया है जो वार्ड के जमीनी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए योग्य उम्मीदवार का चयन करेंगे पार्टी का स्पष्ट कहना है कि वे इस चुनाव को पूरी गंभीरता और एकजुटता के साथ लड़ेंगे। नगर निगम में भाजपा की शहर सरकार है। ऐसे में जाहिर है कि भाजपा इस वार्ड में पहली बार अपने प्रत्याशी को जिताने की कोशिश करेगी हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि शहर सत्ता हाथ में होने की वजह से भाजपा को यहां जीत की उम्मीद है इस वार्ड में शहर विधायक अमर अग्रवाल की पसंद पर प्रत्याशी तय होगा। हालांकि संगठन में पिछली बार के पार्षद प्रत्याशी मधुसूदन राव, राजेश रजक के साथ ही संध्या चौधरी को प्रत्याशी बनाए जाने की सुगबुगाहट चल रही है। कांग्रेस में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है सोमवार को प्रत्याशी चयन समिति की बैठक हुई जिसमें वार्ड के सक्रिय तीन नाम पर चर्चा शुरू हो गई है।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर का सख्त रुख

राजस्व प्रकरणों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, 5 साल पुराने मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने जिले के लंबित राजस्व प्रकरणों, जनहितकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे, अनिल कुमार सिदार, चिरमिरी नगर निगम आयुक्त राम प्रसाद आचला सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदार एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों पर विशेष गंभीरता दिखाते हुए कहा कि आविवादित नामांतरण और बंटवारा प्रकरण किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहने चाहिए उन्होंने 15 जून से पहले सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही सीमांकन के 52 लंबित मामलों एवं फौती नामांतरण प्रकरणों को भी तय समय-सीमा में निपटाने को कहा गया। राजस्व शिविरों की समीक्षा के दौरान भरतपुर तहसील में 7 प्रकरण समय-सीमा से बाहर पाए गए जबकि खड़गवां में 4, कोटाडोल में 6 और कुंवारपुर में 12 मामले लंबित मिले इनमें कई प्रकरण निर्धारित समय-सीमा से अधिक पुराने पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। डायवर्सन एवं विवादित खाता विभाजन मामलों की समीक्षा में भी कई तहसीलों में लंबित प्रकरण सामने आए केल्हारी में 16 तथा चिरमिरी में 3 विवादित खाता विभाजन मामले लंबित पाए गए वहीं त्रुटि सुधार के 59 मामलों में भरतपुर और केल्हारी में सर्वाधिक लंबित प्रकरण दर्ज किए गए कलेक्टर ने कहा कि जनता से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। न्यायालयीन मामलों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विशेष रूप से 5 वर्ष से अधिक पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में न्याय का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार शनिवार को जिला कोरिया एवं एमसीबी जिले में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत ने त्वरित, सुलभ और जनोन्मुख न्याय की नई मिसाल कायम की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश पात्रे के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष अभियान में रिकॉर्ड संख्या में मामलों का निराकरण कर हजारों नागरिकों को राहत प्रदान की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए दोनों जिलों में कुल 14 न्यायालयीन खंडपीठों का गठन किया गया था। इन खंडपीठों में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन मामलों का भी व्यापक स्तर पर निराकरण किया गया पूरे आयोजन के दौरान न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, विभागीय प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। बैकुंठपुर एवं मनेन्द्रगढ़ न्यायालयों में कुल 3577 न्यायालयीन प्रकरण आपसी समझौते के लिए प्रस्तुत किए गए थे इनमें से 3159 मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इन प्रकरणों के समाधान के दौरान लगभग 52 लाख 77 हजार 410 रुपये की राशि का सेटलमेंट कराया गया लंबे समय से लंबित विवादों के निपटारे से पक्षकारों को बड़ी राहत मिली। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक, नगरपालिका, दूरसंचार, राजस्व तथा अन्य विभागों से संबंधित कुल 18,379 प्री-लिटिगेशन प्रकरण प्रस्तुत किए गए इनमें से 15,389 मामलों का समाधान आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से किया गया इससे न्यायालयों में लंबित मामलों का भार कम होने के साथ-साथ लोगों को शीघ्र न्याय भी प्राप्त हुआ।

बौरीडांड-अंबिकापुर रेल दोहरीकरण परियोजना,मुआवजा वितरण प्रक्रिया शुरू 111 भूमि स्वामियों को मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में लंबे समय से प्रतीक्षित बौरीडांड-अंबिकापुर (सरगुजा) रेल दोहरीकरण परियोजना के लिए भू-अर्जन एवं मुआवजा वितरण प्रक्रिया अब तेजी से आगे बढ़ रही है परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई लगभग पूरी हो चुकी है और अब प्रशासन ने पात्र भूमि स्वामियों को मुआवजा राशि सीधे उनके बैंक खातों में वितरित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस परियोजना के अंतर्गत कुल 9 ग्राम-उजियारपुर, बरबसपुर, दर्रीटोला, सरोला, सेमरा, लाई, उदलकछार, शंकरगढ़ और बेलबहरा-प्रभावित हैं। रेल दोहरीकरण कार्य के लिए कुल 6.980 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है जिसमें 111 निजी भूमि स्वामियों की 5.225 हेक्टेयर भूमि और 28 प्रकरणों में 1.755 हेक्टेयर शासकीय भूमि शामिल है जिला प्रशासन ने कुल 4 करोड़ 78 लाख 47 हजार 777 रुपये की अवार्ड राशि पारित की है। इस अवार्ड को 5 मई 2026 को औपचारिक रूप से स्वीकृति प्रदान की गई थी अब तहसीलदार और उप तहसील नागपुर द्वारा प्रभावित भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी संकलित की जा रही है ताकि मुआवजा राशि सीधे उनके खातों में भुगतान किया जा सके प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परियोजना से प्रभावित सभी भूमि स्वामियों को नियमानुसार, पारदर्शी और त्वरित प्रक्रिया के तहत मुआवजा वितरण सुनिश्चित किया जाएगा अधिकारियों का कहना है कि यह कदम न केवल प्रभावित जनता के अधिकारों की सुरक्षा करता है बल्कि परियोजना की सफलता के लिए भी अहम है। रेल दोहरीकरण परियोजना के पूरा होने के बाद क्षेत्रीय रेल अधोसंरचना को मजबूत करने में मदद मिलेगी इससे न केवल यातायात सुविधाओं में सुधार होगा बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास और नई व्यावसायिक संभावनाओं को भी गति मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से लंबी अवधि में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय निवासियों के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी इसके अलावा प्रशासन की यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि भूमि स्वामियों के हितों की रक्षा के साथ-साथ परियोजना का क्रियान्वयन भी समयबद्ध तरीके से हो।जिला प्रशासन की सक्रियता और पारदर्शी कार्यप्रणाली से प्रभावित भूमि स्वामियों में संतोष है और वे अपेक्षा कर रहे हैं कि मुआवजा वितरण प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो जाएगी।

सरसों गबन मामले में 26 लाख का मशरूका बरामद पोहरी पुलिस ने ट्रक समेत 120 क्विंटल सरसों पकड़ी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पोहरी थाना पुलिस ने सरसों से भरे ट्रक के गबन और आपराधिक न्यासभंग के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है पुलिस ने 26 लाख रुपए का मशरूका बरामद करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है बरामद मशरूके में 120 क्विंटल सरसों (लगभग 11 लाख रुपए) और एक ट्रक (लगभग 15 लाख रुपए) शामिल है। थाना प्रभारी पोहरी निरीक्षक रवि चौहान ने बताया कि फरियादी दिनेश धाकड़ निवासी ग्राम तिघरा खोड़ ने 5 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी शिकायत के अनुसार लगभग 20.62 लाख रुपए कीमत की 250 क्विंटल सरसों से भरा एक ट्रक अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गबन कर लिया गया था इस शिकायत पर पोहरी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थाना प्रभारी रवि चौहान ने साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से दो टीमें गठित कर मुरैना और धौलपुर रवाना कीं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी छोटू जाटव, राजू शर्मा (ट्रक चालक) और जितेंद्र बाथम को गिरफ्तार किया पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ट्रक को पोहरी अनाज मंडी से मुरैना होते हुए धौलपुर ले गए थे। वहां रजौरा खुर्द गांव के व्यापारी अनिल मित्तल की मिलीभगत से 120 क्विंटल सरसों छिपाई गई थी जबकि शेष सरसों एक बिचौलिए के माध्यम से धौलपुर की एक फर्म को बेच दी गई थी। पुलिस ने धौलपुर के रजौरा खुर्द गांव में दबिश देकर व्यापारी अनिल मित्तल के कब्जे से चोरी की 120 क्विंटल सरसों बरामद की इस मामले में गिरफ्तार चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

जनदर्शन में उमड़ी जनता की भीड़ , कलेक्टर ने सुनीं 14 गंभीर शिकायतें

बिजली, राजस्व, अतिक्रमण और वेतन संबंधी मामलों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम आम जनता की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरा जिले के दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनदर्शन कार्यक्रम में कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें बिजली, राजस्व, अतिक्रमण, वेतन विसंगति तथा पंचायत और विकास कार्यों में अनियमितताओं से जुड़े मामले प्रमुख रूप से सामने आए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आम जनता की समस्याओं का संवेदनशील और निष्पक्ष समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी नागरिक को अपने अधिकारों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा कार्यक्रम के दौरान ग्राम बाला के सरपंच ने गांव में नया ट्रांसफार्मर स्थापित करने की मांग रखी वहीं ग्राम महादेवपुर में मिनी आंगनबाड़ी केंद्र संचालित करने का आवेदन भी प्रस्तुत किया गया ग्रामीणों ने बताया कि इन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में उन्हें रोजमर्रा की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है कलेक्टर ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए जनदर्शन में पंचायत स्तर पर अनियमितताओं की शिकायतें भी प्रमुखता से सामने आईं बिछिया टोला निवासी रवि कुमार पाण्डेय ने उपसरपंच पर हितलाभ योजनाओं में गड़बड़ी का आरोप लगाया वहीं शिवप्रसाद, निवासी बुलाकी टोला, तथा श्रवण कुमार, निवासी घुटरा, ने पंचायत कार्यों एवं आवास निर्माण में राशि गबन की शिकायत दर्ज कराई कलेक्टर ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। राजस्व एवं अतिक्रमण से जुड़े मामलों में मुसरा निवासी संतलाल और चुटकी निवासी रामलाल ने अवैध कब्जा हटाने और भविष्य में अतिक्रमण रोकने की मांग की इसके अलावा भवरखोह के ग्रामीणों ने राजस्व भूमि को प्रतिबंधित किए जाने का विरोध करते हुए प्रशासन से राहत की अपील की कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर शीघ्र समाधान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कर्मचारी समस्याओं को लेकर भी कई आवेदन प्राप्त हुए। छात्रावास कर्मचारियों ने लंबे समय से वेतन नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा चिरमिरी निवासी ओमप्रकाश ने अधिक बिजली बिल आने की शिकायत की, जबकि फूलमत ने पुश्तैनी जमीन का पट्टा दिलाने की मांग रखी कृष्ण कुमार मिश्रा ने मृत्यु उपरांत सहायता राशि प्रदान किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य कर रहा है।

नर्मदापुरम में ठेकेदार पर अवैध शराब बिकवाने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को जिला पंचायत सदस्य शिवा राजपूत ने युवाओं के साथ पहुंचकर अवैध शराब बिकने की शिकायत की कलेक्टर सोमेश मिश्रा से शिवा राजपूत ने कहा ग्राम डोलरिया और आसपास के गांव में दबाव बनाकर ठेकदार अवैध शराब का कारोबार कर रहा है। जिला पंचायत सदस्य ने बताया कि गांव के नौजवानों को शराब की लत लगाकर मजदूरों को रुपए उधार देकर शराब का अवैध कारोबार चल रहा है कलेक्टर मिश्रा से निवेदन किया कि शराब का अवैध कारोबार करने वाले ठेकेदार और लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आबकारी अधिकारी को बुलाकर अवैध शराब बेचने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आबकारी अधिकारी को बुलाकर अवैध शराब बेचने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

स्वच्छता केवल सर्वेक्षण के लिए, रात की सफाई बंद तो वहीं संवरने लगे नदी के घाट

रहली मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। पिछले स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर वन पर रही नपा ने इस वर्ष फिर से नंबर वन की तैयारी शुरू की है। जिसके लिए कुछ माह पूर्व तक रात में सड़कें साफ होती थीं व कचरे के ढेर उठाए जाते थे। अब उन्हीं सड़कों पर दिनभर का कचरा पड़ा रहता है, ढेर लगे रहते हैं जिन्हें मवेशी फैलाते हैं। अब नालियों की सफाई के बाद स्वच्छता का संदेश देने दीवार लेखन शुरू किया है, सुनार नदी के घाट संवारे जा रहे हैं। दरअसल स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए अलग-अलग विषय के लिए अलग-अलग समय पर टीमें आती हैं। जिस कारण जिस विषय की टीम के आने का अंदेशा होता है वह तैयारी की जाती है तथा जो सर्वेक्षण हो चुकता है, वह बंद कर दिया जाता है। लोगों का कहना है कि स्वच्छता कुछ दिनों के लिए नहीं बल्कि हमेशा के लिए होना चाहिए। अंदरूनी क्षेत्र में लबालब भरी कई नालियां,बदबू नगर के मुख्य क्षेत्रों की नालियां तो साफ की गई हैं लेकिन अंदरूनी क्षेत्र में कई नालियां लबालब भरी हुई हैं। जिनसे गर्मियों में बदबू उठ रही है। आनंद नगर में सांदीपनि विद्यालय की दीवार से सटकर निकली नाली लबालब भरी हुई है जिसमें मच्छर पनप रहे हैं। पुलिस क्वार्टर के पीछे की नालियों से भी इन दिनों बदबू से वाशिंदे परेशान हैं।

बस स्टैंड से पकड़ी 1.37 लाख की शराब, खरगोन के बिस्टान में देर रात कार्रवाई

खरगोन मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। खरगोन के बिस्टान में सोमवार रात बस स्टैंड क्षेत्र से अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई। पार्षद और स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 1 लाख 37 हजार रुपए मूल्य की शराब जब्त की। पार्षद रूपेश राठौड़ ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। सोमवार रात लोगों की सूचना पर 10 से अधिक युवकों ने एक संदिग्ध वाहन को रोका और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बिना नंबर की जीप की तलाशी ली, जिसमें 41 पेटी देशी-विदेशी शराब मिली। जब्त शराब की मात्रा 354 बल्क लीटर बताई गई है।

चालक और मैनेजर फरार: कार्रवाई के दौरान वाहन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक जीप में मौजूद मैनेजर अशोक शर्मा भी मौके से भाग निकला। सूत्रों के अनुसार अशोक शर्मा पहले भी भोगर्या पर्व के दौरान भगवानपुरा रोड क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री को लेकर संदिग्ध रहा है, जिस पर शिकायतों के बाद कार्रवाई भी हुई थी। पुलिस ने फरार चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

अपर कलेक्टर ने लटेरी क्षेत्र में जनगणना कार्यों का किया निरीक्षण

विदिशा मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने आज नगर पालिका लटेरी के शहरी वार्ड क्रमांक 6, 7 एवं 8 सहित तहसील लटेरी अंतर्गत ग्राम झुकर जोगी, नैनवास, सुनखेर, ओखली खेड़ा एवं आनंदपुर में चल रहे जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया गया। अपर कलेक्टर डामोर ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा भ्स्व् एप्लीकेशन के माध्यम से किए जा रहे जनगणना कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य पूर्ण गंभीरता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा में संपादित किया जाए, ताकि प्रत्येक परिवार एवं नागरिक की सही जानकारी दर्ज हो सके। अपर कलेक्टर डामोर ने क्षेत्र के नागरिकों से चर्चा कर जनगणना प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली तथा आमजन से सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर शासन की विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाती है। निरीक्षण के दौरान लटेरी एसडीएम अनिल कछवारे एवं संबंधित अधिकारी, सुपरवाइजर एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी, 15 मई से दावे-आपत्तियां आमंत्रित

विदिशा मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) क अंशुल गुप्ता राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम का हवाला देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमती मोहनी शर्मा ने बताया है कि 23 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार संचालित किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के तहत नगरीय निकायों एवं पंचायतों के निर्वाचन हेतु 01 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जाएगा। पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत विभिन्न चरणों में कार्रवाई की जाएगी। सबसे पहले फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का नगरपालिकाओं, वार्डों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य निर्धारित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन किया जाएगा। यह कार्य 15 मई 2026 तक पूर्ण किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सौंपी गई है। इसके पश्चात मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन अथवा विलोपन से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। यह प्रक्रिया 15 मई 2026 से प्रारंभ होकर 25 मई 2026 को अपराह्न 3 बजे तक चलेगी। जिले के समस्त नगरीय क्षेत्रों के 331 मतदान केन्द्रों तथा जनपद पंचायतों के 1538 मतदान केन्द्रों पर दावे एवं आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। इस कार्य के लिए प्राधिकृत कर्मचारियों को जिम्मेदारी दी गई है। प्राप्त दावा-आपत्ति आवेदन पत्रों के निराकरण की अंतिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद संशोधित एवं अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 18 जून 2026 को नगरपालिकाओं, ग्राम पंचायतों एवं अन्य निर्धारित स्थानों पर किया जाएगा। जिला निर्वाचन कार्यालय ने बताया कि कार्यक्रम प्रभावशील रहने तक समय-समय पर स्थानीय समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से मतदाता जागरूकता संबंधी प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अपने नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कर सकें।

घर में घुसकर परिवार पर हमला: शादी विवाद में युवक को डंडों से पीटा, गांव के बाहर फेंका

खजुराहो मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र में परिवार पर घर में घुसकर हमला किया गया। आरोप है कि ग्राम टोरिया में रविवार देर रात हुई, घटना में एक युवक को अगवा कर पीटा गया। घायल युवक गांव के बाहर लहूलुहान हालत में मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बमीठा थाना क्षेत्र की चंद्रनगर चौकी अंतर्गत टोरिया पावर हाउस के पास हुई। पीड़ित परिवार के अनुसार, गांव में एक शादी समारोह के दौरान पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू हुआ था। आरोप है कि गांव के सुरेंद्र यादव, अमित यादव, इंद्रपाल यादव और मुकेश गुप्ता ने दीपक नामदेव पर गाली-गलौज की और विरोध करने पर डंडे से हमला कर दिया। दीपक के सिर में गंभीर चोटें आई।

जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार: युवक के शोर मचाने पर उसकी मां रानी नामदेव, भाई अंशुल नामदेव और चंद्रभान नामदेव उसे बचाने पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ भी डंडों, लात-घूंसों से मारपीट की। पीड़ित परिवार ने बताया कि आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी भी देकर गए।

घायल ने बताया कि विवाद वीडियो बनाने को लेकर शुरू हुआ था। दीपक का आरोप है कि आरोपियों ने उसे रास्ते में रोका, गाली-गलौज की और पकड़कर मारपीट की। घायल के अनुसार, आरोपी शराब के नशे में थे और लगातार धमकी दे रहे थे।

पीड़ित परिवार ने शिकायत दर्ज कराई

घटना के बाद घायल गंभीर हालत में गांव के बाहर लहूलुहान मिला। इसके बाद पीड़ित परिवार बमीठा थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। बमीठा थाना प्रभारी बाल्मीकि चौबे ने बताया कि इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घायलों की एमएलसी (मेडिको-लीगल केस) कराई गई है और पूरे मामले की जांच जारी है।

सोते समय कच्चे मकान में लगी आग: सागर के जैसीनगर में तीन घंटे बाद बुझ सकीं लपटें

गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख

सागर मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सागर के जैसीनगर में सेंट्रल बैंक के सामने स्थित एक कच्चे मकान में आग लग गई। धुआं और आग की लपटें उठती देख आस-पड़ोस में हड़कंप मच गया। पुलिस और फायर फाइटर को सूचना दी गई। फायर फाइटर मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की मशक्कत शुरू की। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आगजनी में घर में रखा गृहस्थी का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसानी का पंचनामा बनाया है। जानकारी के अनुसार, जैसीनगर में सेंट्रल बैंक के सामने गोपाल प्रजापति का कच्चा मकान

है। रविवार रात वे रोजाना की तरह खाना खाकर सो गए। इसी बीच देर रात अचानक मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। करीब 10 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं। आग देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। आग बुझाने की मशक्कत शुरू की। फायर फाइटर मौके पर पहुंची और फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

पटवारी ने बनाया नुकसानी का पंचनामा: गोपाल प्रजापति ने बताया कि आगजनी में घर में रखा अनाज, वॉशिंग मशीन, पानी की मोटर समेत गृहस्थी का सामान पूरी तरह जल गया है। पास में ही जूतों की दुकान थी। आग बढ़ती देख उसमें रखा सामान बाहर निकाला था। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। सोमवार को पटवारी संदीप कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर आगजनी में हुए नुकसान का पंचनामा बनाया। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। वहीं तहसीलदार प्रेम नारायण सिंह कहा कि पीड़ित परिवार को शासन के नियमानुसार मदद दिलाई जाएगी।

ब्लैक स्पॉट पर चला ट्रैफिक चेकिंग अभियान: बुरहानपुर में बिना हेलमेट,

बुरहानपुर,एजेंसी। बुरहानपुर यातायात विभाग ने सड़क दुर्घटनाएं कम करने और आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने, बिना फिटनेस, मॉडिफाइड बॉडी, बीमा, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अंतर सिंह कनेश के निर्देश पर सभी थाना और चौकी स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यह अभियान चलाया गया। यातायात थाना प्रभारी राजेश बरवाल और उनके स्टाफ ने इंदौर-इच्छापुर हाईवे के ब्लैक स्पॉट पर विशेष चेकिंग की। अभियान के तहत मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने, फिटनेस, मॉडिफाइड बॉडी, बीमा, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना हेलमेट और एक्सपायर दस्तावेज वाले वाहनों की जांच की गई।

सिवनी मालवा में महिला की मौत, पति जिला अस्पताल रेफर

शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार दपंती को पिकअप ने मारी टक्कर

सिवनी मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सिवनी मालवा के चौतलाय गांव के पास सोमवार शाम को शादी से लौट रहे एक पति-पत्नी की बाइक को तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। इस एक्सीडेंट में पत्नी की जान चली गई, जबकि पति की हालत काफी गंभीर बनी हुई है।

नर्मदापुरम के रहने वाले राजेश और उनकी पत्नी साधना ग्राम भांगिया में एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में एक पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भयानक थी कि पास से गुजर रहे एक ट्रैक्टर का पहिया तक निकल गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और दोनों को अस्पताल पहुंचाया।

पत्नी की मौत, पति जिला अस्पताल रेफर: सिवनी मालवा के सरकारी अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद 36 साल की साधना को मृत घोषित कर दिया। वहीं, 40 साल के राजेश के सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। उनकी हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

अनियंत्रित पिकअप ने मचाया गदर: चश्मदीदों के मुताबिक, पिकअप चालक बहुत तेज रफ्तार में गाड़ी चला रहा था। उसने पहले सड़क पर जा रहे एक ट्रैक्टर को टक्कर मारी और फिर बेकाबू होकर बाइक सवार दंपति से जा भिड़ा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान

चलो घाट की ओर अभियान का पाँचवाँ दिवसरू वेतवा तट पर फिर गूंजा श्रमदान का संदेश

विदिशा मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में रुद्राक्ष, आवरण व शीतला सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में संचालित जीवनदायिनी बेतवा नदी के संरक्षण हेतु चल रहे 'चलो घाट की ओर' साप्ताहिक श्रमदान अभियान का पाँचवाँ दिवस उत्साह और जनसहभागिता के साथ मनाया गया। प्रातः घाट पर पहुंचे युवाओं और सामाजिक साथियों ने मिलकर नदी तट की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान घाट पर फैली प्लास्टिक सामग्री, पूजन अवशेष, जलकुंभी एवं अन्य कचरे को हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। श्रमदान करते समय साथियों में सेवा भाव, ऊर्जा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी साफ दिखाई दी। अभियान में शामिल युवाओं ने कहा कि बेतवा केवल एक नदी नहीं, बल्कि क्षेत्र की संस्कृति, आस्था और जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इसलिए इसे स्वच्छ और सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। धीरे-धीरे यह अभियान लोगों को समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का माध्यम बनता जा रहा है, जिसमें हर सप्ताह नए लोग उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं। आज के श्रमदान में नवांकुर संस्था के हजारीलाल पाटस्कर , अमित शर्मा, देवेन्द्र साहू, चंचल तमेश्वरी, मेंटर रितु दांगी, सीमा शर्मा, श्याम साध्य, अभिषेक राजोरिया,रामादित्य कवास्तव, रोहित कुशवाह, नेहा शर्मा, रंजना साहू, शैलू सहित कई युवाओं ने सहभागिता निभाई और लोगों से अपील की है कि वे सप्ताह में कुछ समय प्रकृति और समाज के नाम भी समर्पित करें।

ताल और आलोट में लिए दूध, तेल और आइसक्रीम सैंपल,रतलाम में खाद्य विभाग की कार्रवाई

बिना लाइसेंस चल रहीं दो फर्मों पर केस दर्ज

रतलाम मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, रतलाम द्वारा जिले में मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विभाग की टीम ने ताल और आलोट क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। जांच के दौरान बिना लाइसेंस संचालित हो रही दो फर्मों पर प्रकरण भी दर्ज किया गया है।

कहां से कौन-से सैंपल लिए गए: खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा के नेतृत्व में टीम ने अलग-अलग प्रतिष्ठानों की जांच की और निम्नलिखित नमूने लिए।

ताल क्षेत्र: फर्म विनयकुमार कैलाशचंद्र से हॉर्लिक्स पाउडर और ग्राम बामनखेड़ी स्थित क

कृष्णा दूध संग्रहण केन्द्र से गाय के दूध का सैंपल लिया गया।

आलोट क्षेत्र: बजरंग आइसक्रीम से कुल्फी और क देवनारायण आइसक्रीम से गुलाब सिरप व शक्कर के घोल का नमूना लिया गया।

किराना दुकान: संजय चौक (आलोट) स्थित रचित किराना से बादाम, वनस्पति और सोयाबीन तेल के सैंपल जांच के लिए लिए गए।

बिना लाइसेंस संचालन पर गिरी गाज: निरीक्षण के दौरान टीम ने दस्तावेजों की भी जांच की। इसमें सामने आया कि बजरंग आइसक्रीम और रचित किराना दोनों ही फर्में बिना वैध खाद्य लाइसेंस के संचालित की जा रही थीं। नियम विरुद्ध व्यापार करने पर खाद्य विभाग ने दोनों के खिलाफ बिना लाइसेंस संचालन का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

भोपाल लैब में होगी सैंपलों की जांच: खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान लिए गए सभी सैंपलों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जाएगा।

लैब से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद गुणवक्ता के आधार पर संबंधित फर्मों पर नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

त्रिकोणीय प्रेम-हत्याकांड का खुलासा:800 किमी दूर से फेसबुक फ्रेंड को बुलाकर की हत्या

रायसेन मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। 7 मई... बाड़ी थाना क्षेत्र के नागिन मोड़ स्थित सिरवारा ब्रिज के नीचे लोगों को बदबू आई। नीचे झाड़ियों के बीच एक बोरी पड़ी थी। पुलिस पहुंची। अंदर सड़ी-गली हालत में एक शव मिला। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक पप्पू उर्फ वीरू जाट राजस्थान के भीलवाड़ा का रहने वाला था। उसकी दोस्ती फेसबुक पर नरसिंहपुर जिले के साईखेड़ा की रहने वाली रीना किरार से हुई थी। यह दोस्ती धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि वीरू 800 किमी दूर राजस्थान से उससे मिलने साईखेड़ा आने लगा था। बाद में त्रिकोणीय प्रेम में रीना ने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर शव बोरे में भरकर बाड़ी ब्रिज के नीचे करीब 40 फीट गहरी खाई में फेंक दिया। मौसी के लड़के के प्रेम में पति को भी छोड़ चुकी हैः रीना की जिंदगी में पहले से अरुण पटेल था। रिश्ते में मौसी का लड़का था। दोनों बचपन से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। परिवार राजी नहीं हुआ। दोनों की अलग-अलग जगह शादी कर दी गई। शादी के बाद भी रिश्ता खत्म नहीं हुआ। रीना पति को छोड़कर वापस साईखेड़ा आ गई।

एएफसी अंडर 17 एशियन कप- उज्बेकिस्तान से 0-3 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई भारतीय पुरुष टीम

जेद्दा ,एजेंसी । किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी हॉल स्टेडियम में एएफसी अंडर 17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 के ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में भारत को डिफेंडिंग चैंपियन उज्बेकिस्तान से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। भारत का फीफा अंडर 17 वर्ल्ड कप में सीधे क्वालीफाई करने का सपना भी अधूरा रह गया। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से बुरी तरह हारने के बाद, भारतीय टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जीत की जरूरत थी। यही वजह रही कि भारतीय टीम डिफेंडिंग चैंपियन उज्बेकिस्तान के खिलाफ सावधारी से खेलती हुई नजर आई। हालांकि, उज्बेकिस्तान ने लगातार आकामक खेल दिखाया और भारत के डिफेंस का बार-बार परखा। पहले हाफ में दबाव के बावजूद भारत के डिफेंस का प्रदर्शन दमदार रहा। बैकलाइन ने अपनी शेप अच्छी बनाए रखी, जबकि गोलकीपर राजरूप सरकार ने उज्बेकिस्तान के कई प्रयासों को विफल किया। हालांकि, मैच के 32वें मिनट में भारतीय गोलकीपर से बड़ी चूक हुई, जिसका फायदा उज्बेकिस्तान को मिला। दरअसल, उज्बेकिस्तान के आकामक खेल को रोकने के लिए गोलकीपर राजरूप अपनी लाइन से बाहर निकले, लेकिन पेनल्टी एरिया में वह उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी लाजिज अब्दुरईमोव को गिरा बैठे। इसके

बाद उज्बेकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला और अब्दुरईमोव ने गेंद को गोल पोस्ट के अंदर पहुंचाते हुए उज्बेकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिला ही। भारतीय टीम ने ब्रेक से पहले गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। गुनलेइबा वांगखेइराकपाम ने गोल के सामने एक शानदार कॉस दिया, लेकिन कोई भी भारतीय अटैकर इस शॉट को गोल में तब्दील नहीं कर सका। भारत मैच के 56वें मिनट में स्कोर बराबर करने के काफी करीब पहुंचा। डल्लालमुओन गंगटे ने एक शानदार फ्री-किक मारी जो कॉसबार को हिलाकर गोलकीपर को चकमा दे गई। हीरांगनबा सेराम ने रिबाउंड पर सबसे तेजी से रिएक्ट किया, लेकिन वह पास से गोल नहीं कर पाए।

उज्बेकिस्तान को दूसरा गोल वांगखेम डेनी सिंह की गलती के कारण मिला। वांगखेम मखमुद मुरादोव के कॉर्नर को अपने ही गोल पोस्ट में मार बैठे और विपक टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद 78वें मिनट में उज्बेकिस्तान की ओर से अखरोरबेक रावशानबेकोव ने तीसरा गोल किया। अखरोरबेक ने अपनी शुरुआती कोशिश के ब्लॉक होने के बाद तेजी से रिएक्ट किया और रिबाउंड पर सरकार को छकाते हुए शानदार गोल किया।

आईपीएल 2026 मैच के दौरान अश्लील इशारा, आरसीबी के बल्लेबाज टिम डेविड पर जुर्माना

नई दिल्ली ,एजेंसी । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के चलते मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही डेविड के खाते में 2 डिमेरिट प्वाइंट्स भी जुड़े हैं। 10 मई को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच के दौरान यह घटना हुई। यह अनुशासनात्मक कार्रवाई तब शुरू की गई जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के डगआउट से टिम डेविड का मिडिल फिंगर दिखाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। डेविड को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.6 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो ऐसे इशारे का इस्तेमाल करने से संबंधित है जो अश्लील, अपमानजनक या बेइज्जती करने वाला हो। आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर टिम डेविड पर उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए उन्हें 2 डिमेरिट प्वाइंट्स भी दिए गए हैं। टिम को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.6 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो ऐसे इशारे का इस्तेमाल करने से संबंधित है जो अश्लील, अपमानजनक या बेइज्जती करने वाला हो। टिम डेविड ने अपनी गलती के साथ मैच रेफरी अमित शर्मा की तरफ से दी गई सजा को स्वीकार कर लिया।

इस सीजन में यह दूसरी बार है, जब आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए डेविड पर जुर्माना लगाया गया है। इससे पहले, वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ आरसीबी के मैच के दौरान अंपायर के निर्देशों का पालन न करने के लिए भी उन पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माने के साथ उनके खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जुड़ा था।

उर्विल भविष्य में बेहतर बल्लेबाज बनेंगे : हरभजन

मुम्बई ,एजेंसी । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के युवा बल्लेबाज उर्विल पटेल की बल्लेबाजी की जमकर सराहना की है। उर्विल ने हाल ही में आईपीएल 2026 के एक अहम मुकाबले में सीएसके की लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हरभजन ने कहा कि उर्विल में दबाव के बीच भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। उनकी निडर बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल गया। इससे साफ है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन खिलाड़ी बनेंगे। हरभजन उर्विल की बल्लेबाजी शैली से खासे प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा कि युवा बल्लेबाज शुरुआत से ही अपनी रणनीति को लेकर बिल्कुल स्पष्ट थे। हरभजन ने कहा, पहले छह छक्कों को देखकर लगा कि उन्होंने सिर्फ एक ही क्षेत्र को निशाना बनाने का फैसला किया था। जिस तरीके से उन्होंने एक कठिन पिच पर बड़े शॉट खेले उससे उनकी असाधारण क्षमता का अंदाजा होता है। वह निश्चित रूप से भविष्य में एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित होंगे।उर्विस की बेतरीन पारी से ही ये मैच सीएसके के पाले में आया। यह उर्विल पटेल की आकामक बल्लेबाजी ही थी जिसने पूरे मैच का रुख सीएसके की ओर किया। उनकी विस्फोटक पारियों ने विरोधी गेंदबाजों पर जबरदस्त दबाव बनाया और ष्टस्य को एक कठिन स्थिति से निकालकर जीत की राह पर मजबूती से आगे बढ़ाया।

वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिपः मुस्तफा से हारे चोटरानी, भारत का सफर हुआ समाप्त

गीजा ,एजेंसी । वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती खत्म हो गई है। वीर चोटरानी को गोल्फ सेंट्रल पाम हिल्स में पुरुषों के दूसरे राउंड में मिस्र के वर्ल्ड नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन मुस्तफा असल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। विश्व के 45वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी को मुस्तफा के खिलाफ 5-11, 2-11, 4-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पहले राउंड में हमवतन अभय सिंह, रमित टंडन और वेलावन सेंथिलकुमार को हार का सामना करना पड़ा था। चोटरानी की हार के साथ भारतीय टीम का सफर खत्म हो गया है। असल ने पीसीए टूर वेबसाइट को बताया, वीर और मैंने पहले भी साथ में बहुत खेला है, और मुझे उसे यहां देखकर खुशी हो रही है; वह अपना बेस्ट स्क्वैश खेल रहा है। हमने पहले भी जूनियर लेवल पर एक-दूसरे के खिलाफ काफी खेला है। हमारा सामना वर्ल्ड जूनियर्स में भी हो चुका है। हम हमेशा न्यूयॉर्क में साथ में ट्रेनिंग करते हैं। वीर उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो आपको किसी भी समय टक्कर दे सकते हैं, इसलिए मैं जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। मुझे खुशी है कि जिम्बो यहां मेरे साथ हैं, साथ ही हैथम इफत और मेरे अंकल भी मेरे साथ हैं। यह साल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है, और हम मैच दर मैच आगे बढ़ रहे हैं। मैं अगले मैच के लिए तैयार हूं।

पिछले साल शिकागो में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी भारत का कैंपेन दूसरे राउंड में ही खत्म हो गया था। भारत ने अभी तक वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में सिंगल्स इवेंट्स में कोई मेडल नहीं जीता है। दूसरी तरफ, नंबर 2 सीड और 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप के रनर-अप पॉल कोल भी आगे बढ़ गए हैं; उन्होंने फ्रांस के बैप्टिस्ट मासोटी को सीधे गेम में 11-1, 11-7, 11-9 से हराया और अगले राउंड में उनकी भिड़ंत नाथन लेक से होगी। इंग्लैंड के नाथन लेक 2023 के बाद पहली बार टूर्नामेंट के इस स्टेज में लौटे हैं; उन्होंने मुहम्मद अशाब इरफान को 11-3, 14-12, 12-10 से हराया। मिस्र के वर्ल्ड नंबर 21 करीम एल टॉर्की भी नंबर 6 सीड विक्टर काउइन पर 11-7, 11-5, 11-7 से जीत हासिल करके तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं।

फुटबॉल प्रीमियर लीग- टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

लंदन ,एजेंसी । फुटबॉल प्रीमियर लीग में टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इस ड्रॉ के साथ ही टॉटेनहम 38 अंकों के साथ 17वें नंबर पर आ गया है। वहीं, लीड्स यूनाइटेड 14वें स्थान पर है। प्रीमियर लीग की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांसीसी फुटबॉलर मैथिस टेल पहले मुकाबले में हीरो बने, लेकिन उन्होंने अपनी गलती से टीम के लिए परेशानी भी खड़ी कर दी। टेल ने मैच के 50वें मिनट में पहला गोल दागा और टॉटेनहम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने अपने ही बॉक्स में गेंद को खतरनाक तरीके से क्लियर करने का प्रयास किया और इसी कोशिश में उनका पैर एथन अमपाडू को लग गया। वीएआर जांच के बाद लीड्स यूनाइटेड को पेनल्टी मिल गई, जिसका पूरा फायदा इंग्लिश फुटबॉलर कैल्वर्ट लेविन ने उठाया। लेविन ने मैच के 74वें मिनट में हाथ आए मौके को भुनाया और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। टॉटेनहम हॉटस्पर ने इसके बाद मुकाबले में वापसी करने का काफी प्रयास किया, लेकिन लीड्स यूनाइटेड की टीम ज्यादा हावी नजर आई। मैच के अंतिम पलों में गोलकीपर किंस्की ने सीन लॉन्गस्टाफ के जबरदस्त शॉट का बेहतरीन बचाव करते हुए टीम की हार को टाला। पहले हाफ के अंत में टॉटेनहम के पास बढ़त बनाने का चांस था।

लीड्स के गोलकीपर कार्ल डार्लो ने गेंद को ज्यादा देर तक अपने पास रखा, जिसके कारण स्पर्स को फ्री-किक मिली।

हालांकि, रिचर्डसन और पेड्रो पोरो इस मौके का भी फायदा उठाने में नाकाम रहे। इसके बाद जोआओ पल्हिन्हा गोल करने के काफी करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट कॉसबार के ऊपर से निकल गया। स्टॉपेज टाइम में सीन लॉन्गस्टाफ के पास गोल करने का एक सुनहरा मौका था, लेकिन गोलकीपर किंस्की ने एक बार फिर शानदार बचाव करते हुए लीड्स यूनाइटेड के मैच में बढ़त लेने के अरमानों पर पानी फेर दिया। लुकास नमेचा द्वारा टैकल किए जाने की वजह से गिरने के बाद जेम्स मैडिसन ने भी पेनल्टी की अपील की, लेकिन रेफरी ने उनकी इस अपील को खारिज कर दिया।

टीम के प्रदर्शन से खुश हूं, उम्मीद है हम इसी लय को बरकरार रखेंगे: अक्षर पटेल

धर्मशाला ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 55वें मुकाबले में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 3 विकेट से हराया। जीत के बाद डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह टीम के प्रदर्शन से खुश हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि डीसी जीत की इस लय को आने वाले मुकाबलों में भी बरकरार रखने में सफल रहेगी। पीबीकेएस के खिलाफ मिली जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ने कहा, मैं जैसा पिछले कुछ मुकाबलों से कह रहा था, अहम परेशानी उन जरूरी पलों को गंवाना था। मैच में जब भी महत्वपूर्ण पल आते थे, तो नतीजे हमारे पक्ष में नहीं जा रहे थे। तब भी, मैं कहता रहा कि यह बहुत अच्छी टीम है और हम अच्छा किकेट खेल रहे हैं। बस मैच में एक-दो पलों की वजह से हमें नुकसान हुआ। हालांकि, लंबे टूर्नामेंट में ऐसा होता है। हर दिन अलग होता है। इस मुकाबले में टीम ने जिस तरह खेला, उससे बहुत खुश हूं और उम्मीद है कि हम इस लय को बरकरार रख पाएंगे। अक्षर ने कहा कि बीच के ओवरों में

मुकेश और माधव की बढ़िया गेंदबाजी डीसी के लिए अहम साबित हुई। उन्होंने कहा, हमने शुरुआत के 3-4 ओवर में ही 60 रन दे दिए थे। हालांकि, बीच के ओवरों में जिस तरह से मुकेश कुमार और माधव तिवारी ने गेंदबाजी की, उसने मुझे राजस्थान रॉयल्स के मैच की थोड़ी याद दिला दी और मुझे लगता है कि वह एक बड़ा पल रहा। फिर बल्लेबाजी में मेरे और डेविड मिलर के बीच साझेदारी ने मामला संभाल लिया, और उसके बाद आशुतोष शर्मा और माधव जैसे युवाओं ने मैच को खूबसूरती से खत्म किया।

मैच में खुद न गेंदबाजी करने के फैसले पर अक्षर ने कहा, विकेट अलग तरह से बर्ताव कर रहा था। पहले कुछ ओवर के बाद, खासकर जब आकिब नबी ने गेंदबाजी की, तो मुझे लगा कि बॉल स्विंग हो रही है और सीम भी हो रही है।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई ,एजेंसी । भारतीय किकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है । उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं। इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी। पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

आईसीसी की वार्षिक पुरुष वनडे रैंकिंग में भारत नंबर-1, पाकिस्तान को झटका

दुबई ,एजेंसी । आईसीसी ने सोमवार को पुरुषों की ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारत नंबर-1 बना हुआ है। हालांकि, शीर्ष पर उसकी बढ़त जरूर कम हो गई है। दूसरी ओर, पाकिस्तान एक पायदान नीचे खिसक गया है। ताजा रैंकिंग में भारत की रेटिंग 119 से गिरकर 118 हो गई है। वहीं, न्यूजीलैंड को दो अंक मिले हैं। यह टीम 113 रेटिंग के साथ दूसरे पायदान पर है। अब शीर्ष-2 टीमों के बीच अंतर 8 से घटकर 5 ही रह गया है। मौजूदा वनडे वर्ल्ड कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग (109) में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह टीम फिलहाल तीसरे पायदान पर बनी हुई है। इस बीच टॉप-5 में बदलाव देखने को मिला है। साउथ अफ्रीका एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। साउथ अफ्रीका को चार रेटिंग अंक मिले हैं। अब इस टीम के पास 102 अंक हैं,

जबकि पाकिस्तान ने चार अंक गंवा दिए हैं। यह देश 98 अंकों के साथ रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसक गया है।

दो अंक गंवाने के बावजूद कलंका छठे स्थान पर बना रहा। इस टीम के 96 अंक हैं, जबकि अफगानिस्तान मामूली गिरावट के बाद 93 अंकों के साथ सातवें स्थान पर बना रहा। इंग्लैंड एक रेटिंग अंक हासिल करने के बाद आठवें स्थान पर बना रहा, जबकि बांग्लादेश 84 अंकों के साथ नौवें स्थान पर कायम रहा।

बांग्लादेश और 10वें स्थान पर मौजूद वेस्टइंडीज के बीच का अंतर काफी बढ़ गया। कैरेबियाई टीम ने तीन रेटिंग अंक गंवाए हैं। अब इस टीम के पास 74 अंक हैं। टॉप-10 से बाहर, आयरलैंड दो रेटिंग अंक हासिल करने के बाद जिम्बाब्वे से ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गया है। एक अंक की गिरावट के बाद जिम्बाब्वे खिसककर 12वें स्थान पर पहुंच गया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) की टीम स्कॉटलैंड को पछाड़ते हुए 13वें स्थान पर पहुंच गई है, उसकी रेटिंग बढ़कर 46 हो गई। एक अंक गंवाने के बाद स्कॉटलैंड एक स्थान नीचे खिसक गया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व : इतिहास को स्मृतियों में रखते हुए भविष्य को संवारने के संकल्प से बनता है सशक्त राष्ट्र- उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री कविजय शर्मा भोरमदेव मंदिर परिसर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं के साथ गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से वर्चुअली जुड़े और मंदिर में प्रधानमंत्री कनरेंद्र मोदी द्वारा की गई पूजा - अर्चना के साकबने और उनका संबोधन सुना। प्रधानमंत्री कनरेंद्र मोदी ने इस दौरान सोमनाथ मंदिर के स्वर्णिम इतिहास, विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए हमलों, मंदिर के पुनर्निर्माण यात्रा, वर्तमान सरकार द्वारा किये जा रहे आस्था के केंद्रों का संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प सहित विभिन्न विषयों पर अपनी बातें देशवासियों से साझा की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री कविजय शर्मा ने कबीरधाम के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की पुरातन संस्कृति और सभ्यता के गौरवपूर्ण स्मरण का अवसर है। उन्होंने कहा कि इतिहास के कई महत्वपूर्ण प्रसंग समय के साथ लोगों की स्मृतियों से ओझल हो जाते हैं, जबकि इन्हीं घटनाओं ने देश की सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि लगभग एक हजार वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर आक्रमण कर सोमनाथ मंदिर के वैभव को ध्वस्त किया और इसकी संपदा को लूटने का प्रयास किया। यह क्रम कई बार चला, लेकिन आज उन आक्रांताओं का नामोनिशान नहीं है, जबकि सोमनाथ मंदिर वैभवशाली स्वरूप में देश के सामने खड़ा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ हमारी संस्कृति और आत्मसम्मान का मानबिंदु है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कनरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य हो रहा है। सोमनाथ का पुनर्स्थापित स्वरूप भारत की सांस्कृतिक चेतना और पुनर्जागरण का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यह हमें सिखाता है कि भविष्य की ओर बढ़ते हुए इतिहास को स्मृतियों में बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन देशभर के शिवालयों में किया जा रहा है। भारत जब अपने अतीत की चर्चा करता है तो वह केवल इतिहास नहीं दोहराता, बल्कि आने वाले भविष्य को संवारने का संकल्प भी लेता है। उन्होंने कहा कि इतिहास से सीखकर ही मजबूत भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में निर्मित श्रीराम मंदिर केवल पूजा का स्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री ने इस दौरान भोरमदेव मंदिर पर्यटन कॉरिडोर विकास कार्यों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव मंदिर कॉरिडोर परियोजना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसके तहत मंदिर परिसर, म्यूजियम, मेला स्थल, गार्डन, कांवड़ियों के विश्राम स्थल, मड़वा महल, छेरकी महल और सरोदा डैम के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सोमवार को अधिकारियों, इंजीनियरों, कंसल्टेंट और ठेकेदारों के साथ परियोजना कार्यों की समीक्षा की जाती है ताकि विकास कार्य तय समय पर पूरे हो

हाथी के हमले में जान गंवाने वाले ग्रामीणों के परिजनों को त्वरित राहत

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सूरजपुर जिला प्रशासन ने वितरित की मुआवजा राशि

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री क लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देशों पर जिला प्रशासन और वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए सूरजपुर जिला के कल्याणपुर में हाथी हमले के शिकार हुए हितग्राहियों के परिजनों को मुआवजा राशि का वितरण कर दिया है। मंत्री क राजवाड़े घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया था कि पीड़ित परिवारों को बिना किसी विलंब के सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए।

सूरजपुर जिले के कल्याणपुर निवासी दो ग्रामीणों की हाथी हमले में मृत्यु होने के पश्चात, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग (सूरजपुर मंडल) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत त्वरित कार्रवाई की गई। विभागीय दस्तावेजों के अनुसार, दोनों प्रभावित परिवारों के लिए मुआवजा राशि स्वीकृत कर वितरित की गई है, जिनमें हितग्राही क कांति भोई को डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में 5 लाख 50 हजार रूपए एवं क राजेश्वरी सिंह श्याम को डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में 5 लाख 50 हजार रूपए भेज दी गई है। साथ ही डिविजनल फारेस्ट ऑफिसर सूरजपुर को 50-50 हजार रूपए डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया गया है।

मंत्री क लक्ष्मी राजवाड़े जी ने कहा कि क्षेत्र की जनता की सुरक्षा और संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ा होना सुशासन सरकार की प्राथमिकता है। हाथी-मानव द्वंद्व को कम करने के लिए प्रशासन सजग है और प्रभावितों को हर संभव मदद दी जाएगी।

इस त्वरित कार्रवाई से पीड़ित परिवारों को आर्थिक संबल मिला है, जिसके लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मंत्री क राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कभी नक्सल साये में रहा उसकेवाया, अब गांव में पहुंच रही सुशासन की रोशनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। घने जंगलों और कभी नक्सल प्रभाव के कारण प्रशासनिक पहुंच से दूर रहे उसकेवाया गांव में अब बदलाव की नई तस्वीर दिखाई देने लगी है। जिन ग्रामीणों को कभी छोटे-छोटे प्रमाण पत्रों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज उन्हें वही सुविधाएं गांव में ही मिल रही हैं। सुशासन तिहार 2026 ने इस दूरस्थ गांव के लोगों के चेहरे पर नई मुस्कान लौटा दी है।

सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के पहुंचविहीन ग्राम उसकेवाया में आयोजित सुशासन शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और भरोसे का बड़ा केंद्र बन गया। प्रशासन की टीम गांव पहुंची तो लोगों ने बड़ी संख्या में शिविर में हिस्सा लिया। जाति, निवास और जन्म प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज मौके पर ही बनाकर हितग्राहियों को सौंपे गए। कक्षा 10वीं की छात्रा मड़कम पायके के चेहरे की खुशी इस बदलाव की तस्वीर है।

सुशासन तिहार से बदली प्रेमलाल की तकदीर

सब्जी की खेती ने दिलाया पिकअप वाहन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री कविष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित किसान हितैषी योजनाओं का असर अब वनांचल क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देने लगा है। पारंपरिक खेती के स्थान पर अब किसान आधुनिक और उद्यानिकी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड स्थित ग्राम बुढ़ानछापर में आयोजित समाधान शिविर में इसकी एक प्रेरक तस्वीर सामने आई, जहाँ कृषक प्रेमलाल कंवर ने अपनी समृद्धि की गाथा साझा की।

उद्यानिकी मिशन से मिला आधुनिक तकनीकी का साथ: कृषक प्रेमलाल कंवर ने बताया कि उनकी सफलता की शुरुआत तब हुई जब उन्हें राष्ट्रीय बागवानी मिशन से जोड़ा गया। विभाग द्वारा उन्हें न केवल निःशुल्क बीज उपलब्ध कराए गए, बल्कि मल्चिंग पद्धति (आधुनिक सिंचाई और खरपतवार नियंत्रण तकनीक) से सब्जी उत्पादन का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया।

पहले केवल धान की खेती तक सीमित रहने वाले प्रेमलाल ने अब अपने खेतों का स्वरूप बदल दिया है। सब्जी उत्पादन कर उन्होंने मल्चिंग तकनीक से भिंडी, टमाटर, बरबट्टी और लौकी जैसी सब्जियों की खेती शुरू की। राज्य पोषित योजना के तहत उन्होंने आम के कलमी पौधों का रोपण किया। खास बात यह है कि उन्होंने विभाग की सलाह पर पौधों के बीच खाली स्थान पर सब्जी उगाकर अतिरिक्त लाभ कमाना शुरू किया।

खेती से खरीदे दोपहिया और पिकअप वाहन: सब्जी उत्पादन ने प्रेमलाल की आर्थिक स्थिति में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। वे गर्व से बताते हैं। सब्जियों की बेहतर बिक्री से हुई आय से मैंने पहले अपनी जरूरत के लिए दोपहिया वाहन खरीदा। व्यापार बढ़ा तो अब सब्जियों के परिवहन के लिए खुद का पिकअप वाहन भी ले लिया है।

सुशासन का सकारात्मक प्रभाव: प्रेमलाल का मानना है कि सुशासन तिहार जैसे आयोजनों से शासन स्वयं चलकर दूरस्थ गांवों तक पहुँच रहा है। प्रशासन की इस सक्रियता से न केवल समस्याओं का समाधान हो रहा है, बल्कि किसानों को नई तकनीक अपनाकर अपनी आय दोगुनी करने का प्रोत्साहन भी मिल रहा है। प्रेमलाल कंवर की यह कहानी छत्तीसगढ़ के हजारों उन किसानों के लिए प्रेरणा है, जो पारंपरिक खेती के साथ-साथ नवाचार अपनाकर आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री कविष्णु देव साय के सुशासन का यही विजन अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर रहा है।

सुशासन तिहार से समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य में इन दिनों सुशासन तिहार का असर जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें राहत प्रदान कर रहा है। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासन स्वयं लोगों के द्वार पहुंचकर उनकी समस्याओं, मांगों और आवश्यकताओं का त्वरित एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित कर रहा है। इससे आम नागरिकों में न केवल संतोष का भाव बढ़ा है, बल्कि शासन के प्रति विश्वास भी और अधिक मजबूत हुआ है। कोरबा के ग्राम जेंजरा निवासी कृषक कप्रकाश सिंह गोंड के जीवन में भी सुशासन तिहार नई उम्मीद लेकर आया है। मेहनतकश किसान कगोंड अपने परिवार के साथ चार-पांच एकड़ भूमि में खेती करते हैं। सीमित संसाधनों के बीच वे वर्षों से पारंपरिक रूप से धान की खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं।

सुशासन तिहार 2026 : किसान कीर्तन उईके के सपनों को मिले नए पंख

पैकहाउस निर्माण के लिए मिला 2 लाख रुपये का अनुदान, उन्नत तकनीक से बढ़ेगी सब्जी उत्पादकों की आय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सब्जी उत्पादकों के लिए पैक हाउस का निर्माण एक वरदान साबित हो रहा है, जिससे कटाई के बाद होने वाले नुकसान में कमी आती है और आय में वृद्धि होती है। पैक हाउस में सब्जियों की छंटाई, ग्रेडिंग और पैकिंग की जाती है, जिससे उत्पाद को बाजार में बेहतर दाम मिलते हैं। सब्जियों की तुड़ाई के बाद उचित रख-रखाव से उनकी ताजगी बनी रहती है और खराब होने की संभावना कम हो जाती है। छत्तीसगढ़ में आयोजित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीणों और किसानों के लिए शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ वनांचल ग्राम बुढ़ानछापर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर, ग्राम पीटेपानी के किसान कीर्तन उईके के जीवन में बड़ी खुशहाली लेकर आया है।

'भंडारण की समस्या का हुआ समाधान': किसान कीर्तन उईके के पास कुल 23 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें से वे लगभग 6 एकड़ में सब्जी की खेती करते हैं। उन्नत उत्पादन के बावजूद, क्षेत्र में पर्याप्त भंडारण की व्यवस्था न होने के कारण उन्हें अक्सर अपनी फसल औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ती थी या फसल खराब होने से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। सुशासन तिहार शिविर के दौरान कीर्तन को उद्यानिकी विभाग की राष्ट्रीय बागवानी मिशन (NHM) योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत आवेदन करने पर उन्हें पैकहाउस निर्माण के लिए 2 लाख रुपये का अनुदान डीबीटी (DBT) के माध्यम से सीधे प्राप्त हुआ। उद्यानिकी विभाग द्वारा उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए गए। और विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रेडिंग, पैकिंग और विपणन की तकनीकी जानकारी दी गई।

आय में वृद्धि की उम्मीद: अनुदान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कीर्तन उईके ने बताया कि अब पैकहाउस बनने से वे अपनी सब्जियों को सुरक्षित रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि पहले फसल को तुरंत बेचना हमारी मजबूरी थी, लेकिन अब व्यवस्थित भंडारण और आधुनिक तकनीक की मदद से हम फसल की गुणवत्ता बनाए रख सकेंगे। इससे हमें बाजार में बेहतर मूल्य मिलेगा और हमारी आय में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी।

सुशासन से सुधर रही किसानों की तकदीर: किसान कीर्तन ने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार जैसे आयोजन न केवल योजनाओं की जानकारी देते हैं, बल्कि मौके पर ही समस्याओं का समाधान कर किसानों को सीधे लाभ पहुँचा रहे हैं। उन्होंने अन्य कृषकों से भी आगे आकर शासन की इन आधुनिक कृषि योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

पाली शिव मंदिर में श्रद्धा और धरोहर का समागम

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 08 से 11 जनवरी सोमनाथ मंदिर पर 1026 में हुए पहले अभिलिखित आक्रमण के हजार वर्ष पर स्मरणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में कोरबा जिले के पाली नगर में स्थित पुरातात्विक महत्व के अति प्राचीन शिव मंदिर परिसर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। पूरे दिन वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना रहा। सुबह कार्यक्रम की शुरुआत रुद्राभिषेक से हुई। नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष कअजय जायसवाल अपनी धर्मपत्नी के साथ, पार्षदगण तथा नगर के गणमान्य नागरिकों ने शिवलिंग का विधि-विधान से अभिषेक कर नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रुद्राभिषेक के पश्चात मंदिर परिसर में लगाए गए एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सोमनाथ मंदिर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने बड़े उत्साह से देखा। प्रसारण के बाद आयोजित परिचर्चा में नगर पंचायत अध्यक्ष कअजय जायसवाल एवं कसंजय जायसवाल ने अपने उद्बोधन के माध्यम से सोमनाथ की ऐतिहासिक महत्ता, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता पर प्रकाश डाला।

सायंकालीन सत्र में स्थानीय भजन मंडली द्वारा शिव भजनों की प्रस्तुतियों ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय कर दिया। श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते हुए आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन कविशाल मोटवानी द्वारा किया गया। अंत में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत पाली ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी उपस्थित जनों, जनप्रतिनिधियों, भजन मंडली और आयोजन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

पाली शिव मंदिर में संपन्न यह आयोजन नगर की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को पुनः उजागर करने वाला साबित हुआ तथा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के प्रति आमजन की आस्था को और अधिक प्रगाढ़ करने वाला रहा।

ग्राम पंचायत बैरा में सुशासन तिहार का आयोजन- शासन की योजनाओं से लाभान्वित हुए ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोरबा जिले के ग्राम पंचायत बैरा में आज सुशासन तिहार का गरिमामय आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना रहा। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि क माधुरी देवी तवर जनपद अध्यक्ष रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में जिला पंचायत सदस्य क शांति देवी मरावी, जनपद उपाध्यक्ष कप्रकाश चन्द्र जाखड़, जनपद सदस्य कतिवारी सिंह मरावी और कआनंद आयाम, एसडीएम मनोज बंजारे सहित ग्राम पंचायत बैरा के सरपंच कसहदेव अरमो एवं आसपास की विभिन्न पंचायतों के सरपंच उपस्थित रहे।

आयोजन के दौरान विभिन्न विभागों के माध्यम से हितग्राहियों को सामग्री एवं लाभ का वितरण किया गया। मनरेगा योजना के अंतर्गत 13 हितग्राहियों को जॉब कार्ड प्रदान किए गए, जबकि खाद्य विभाग द्वारा 20 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए गए। प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना के तहत कगोपाल सिंह को लाभान्वित किया गया और उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी बीज किट का वितरण कओम प्रकाश, करामप्रसाद, कप्रिंस मित्तल, क जुग्गी बाई, कसेडू राम और कअंगद सिंह को किया गया। मत्स्य विभाग की ओर से जय लक्ष्मी स्व सहायता समूह, पसान को मछली जाल प्रदान किया गया। कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड और 13 हितग्राहियों को फार्मर आईडी का वितरण किया गया।

एक ही जगह सभी अधिकारियों की उपस्थिति से आमनागरिको को नहीं लगाना पड़ता चक्कर: मंत्री लखनलाल देवांगन

शहरी क्षेत्र के परिवहन नगर जोन के सुशासन तिहार में शामिल हुए उद्योग मंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री कविष्णु देव साय के निर्देशन में जिले में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इस कड़ी में आज परिवहन नगर वार्ड के नगर अंतर्गत शहरी वार्डो की समस्याओं के निराकरण के लिए जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन ट्रांसपोर्ट नगर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कोरबा के विधायक और प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम मंत्री कलखनलाल देवांगन शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्टॉल का अवलोकन कर हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया। नगर पालिक निगम अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर जोन कार्यालय में वार्ड के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री कदेवांगन ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कविष्णु देव् साय के निर्देशन में प्रदेश में एक मई से 10 जून तक सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सुशासन तिहार अन्तर्गत अलग अलग शिविर लगाए जा रहे है। गर्मी और धूप होने के बाद भी आमनागरिको की समस्याओं को सुनने और

निराकरण के लिए शासन-प्रशासन का पूरा अमला ही नहीं लगा है, प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्री सहित सभी बड़े अधिकारी भी दूरस्थ क्षेत्र में जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अचानक से किसी भी गाँव का दौरा कर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति जानने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तिहार का आयोजन के लिए मैं मुख्यमंत्री कविष्णु देव साय का विशेष धन्यवाद दूंगा कि उनकी इस पहल का लाभ शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरत मंद लोग उठा पाते हैं। मंत्री कदेवांगन ने कहा कि यह शिविर सभी के लिए लाभदायक है। इस शिविर में आसानी से किसी समस्या का निराकरण हो पाता है, क्योंकि इसमें सभी अधिकारी मौके पर ही उपस्थित होते है। मंत्री कदेवांगन ने आगे कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने गरीब कल्याण के लिए योजनाएं बनाई है। पीएम आवास योजना से गरीब वर्ग को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। मंत्री कदेवांगन ने कोरबा के विकास के लिए डीएमएफ से भी बड़ी राशि स्वीकृत होने और बुनियादी आवश्यकता बिजली, पानी, सड़क, आंगनबाड़ी, स्कूल,अस्पताल बनने की बात कही। मंत्री कदेवांगन ने सुशासन तिहार का लाभ उठाने और आमनागरिको को जागरूक करते हुए उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करने की अपील की। महापौर क संजू देवी राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री कविष्णु देव् साय के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री को लोगों की बड़ी चिंता है वे उनको योजनाओं से लाभान्वित करने के साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण भी कर रहे हैं। सुशासन तिहार भी एक जरिया है जिसमें हर वार्ड के लोगो की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण की कोशिश कर रहे हैं। वार्ड में जो भी मूलभूत आवश्यकता है उसे पूरा किया जा रहा है।

जिला प्रशासन के अधिकारी भी शिविर में है। आम नागरिक इस शिविर का लाभ जरूर उठाये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा